

प्रभारो
राजपत्र वितरण एक

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

P.O.-450
KM-30
Delhi-200
CRB-220

सं. 380]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, सितम्बर 2, 2004/भाद्र 11, 1926

No. 380]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 2, 2004/BHADRA 11, 1926

पुरा किछा

कम्पनी कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 2004

प्रभारो

रा. वि. ए.

सा.का.नि. 562(अ).—कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) तथा लागत लेखा-कारिता रिकार्ड (कास्टिक सोडा) नियम, 1967, लागत लेखाकारिता रिकार्ड (सोडा एश) नियम, 1976, लागत लेखाकारिता रिकार्ड (सलफ्यूरिक एसिड) नियम, 1980 तथा लागत लेखाकारिता रिकार्ड (कैमिकल इंडस्ट्रीज) नियम, 1987 के अतिक्रम में ; ऐसे अतिक्रम से पहले रखी गई या हटाई गई मदों के सिवाय के बारे में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है :-

(1) ये नियम लागत लेखाकारिता रिकार्ड (कैमिकल इंडस्ट्रीज) नियम, 2004 कहलाए जाएंगे ।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे ।

2. आवेदन - ये नियम इन नियमों के परिशिष्ट में विनिर्दिष्ट उत्पादों के उत्पादन, प्रक्रिया या विनिर्माण में लिप्त प्रत्येक कंपनी पर लागू होंगे :

बशर्ते कि ये नियम ऐसी कंपनी पर लागू नहीं होंगे :

(क) जहां, पिछले वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को लगाई गई मशीनरी तथा लगाए गए प्लांट का कुल लागत उद्योग (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) के अन्तर्गत लघु पैमाने के औद्योगिक उपक्रम में विनिर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होता ; और

(ख) जहां पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान सभी उत्पादों या क्रियाकलापों की बिक्री या आपूर्ति से कंपनी द्वारा किये गए व्यापारावर्त के कुल लागत दस करोड़ से अधिक नहीं होता ।

3. रिकार्डों का रखरखाव :- (i) प्रत्येक कंपनी जिसपर ये नियम लागू होते हैं, इन नियमों के लागू होने से आरंभ होने वाले वित्तीय वर्ष पर या बाद में के संबंध में सामग्री ; श्रम तथा अन्य मदों की लागत (जहां तक के नियम 2 में उल्लिखित उत्पाद पर लागू होत है) के उपयोग से संबंधित लेखा पुस्तिकाओं को उपयुक्त ढंग से रखा है । लेखा पुस्तिकाएं जिस प्रकार रखी जाती है में : अन्य बातों के साथ-साथ इन नियमों तथा प्रोफार्मा क, ख, ग, घ में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट विवरण उक्त अनुसूची में निर्धारित किए जाने चाहिए ;

बशर्ते कि यदि उक्त कंपनी कोई अन्य उत्पाद का निर्माण करती है या नियम 2 में उल्लिखित उत्पाद (उत्पादों) के अतिरिक्त अन्य क्रिया-कलापों में लिप्त है, सामग्री, श्रम तथा लागत की अन्य मदों से संबंधित विवरण जहां क वे ऐसे उत्पादों या क्रियाकलापों पर लागू होते हैं को नियम 2 में उल्लिखित उत्पादों की लागत में शामिल नहीं किए जाएंगे।

(2) उप-नियम (1) में उल्लिखित लेखा पुस्तिकाएँ को नियमित आधार पर इस तरीके से रखना चाहिए ताकि इसे उत्पादन की प्रति यूनिट लागत तथा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए नियम 2 में उल्लिखित प्रत्येक उत्पाद की बिक्री की लागत की गणना करने में संभव होगा। ऐसी प्रत्येक लेखा पुस्तिकाएँ तथा उक्त अनुसूची में निर्धारित प्रोफार्मा कंपनी के प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 90 दिनों के भीतर पूरी की जाएंगी।

(3) सांख्यिकीय तथा अन्य रिकार्डों को इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची के उपबंधों तथा भारतीय लागत एवं संकर्म लेखापाल संस्थान द्वारा जारी किए गए लागत लेखाकारिता मानदण्डों के अनुसार रखा जाना चाहिए, जहां तक कि वे लागू हों, इस तरीके से ताकि कंपनी को जहां तक संभव हो, विभिन्न कार्यों तथा लागतों, साधनों के उपयोग में अनुकूलतम अर्थव्यवस्था प्राप्त करने की दृष्टि से नियंत्रित करने के योग्य बनाया जा सके। ये रिकार्ड आवश्यक आंकड़ों का भी प्रावधान करेंगे जिसकी लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट नियम, 2001 के अन्तर्गत प्रस्तुत करना अपेक्षित हो सकता है जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 233 ख तथा समय-समय पर संशोधन नियमों के अन्तर्गत निर्धारित हो।

(4) यह प्रत्येक व्यक्ति का, कर्तव्य होगा, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (6) तथा (7) में उल्लिखित है; कंपनी द्वारा इस नियम के उपनियम (1), (2) तथा (3) के उपबंधों के साथ कंपनी द्वारा अनुपालना करने हेतु उसी तरीके से सभी जिम्मेदार कदम उठाने होंगे, जैसा कि उनसे उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के अन्तर्गत लेखा रखे जाने अपेक्षित होते हैं।

4. दंड-यदि कोई कंपनी नियम 3 के उपबंधों का उल्लंघन करती है तो कंपनी तथा उसका प्रत्येक अधिकारी जिसने चूक की है दंडनीय होगा जैसा कि नियम 3 के नियम (4) में उल्लिखित व्यक्तियों सहित, कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (5) तथा (7) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (2) के अन्तर्गत निर्धारित है।

5. सुरक्षा - लागत लेखाकारिता रिकार्ड (कास्टिक सोडा) नियम, 1967, लागत लेखाकारिता रिकार्ड (सोडा ऐश) नियम, 1976, लागत लेखाकारिता रिकार्ड (सल्फ्यूरिक एसिड) नियम, 1980 तथा लागत लेखाकारिता रिकार्ड (कैमिकल इंडस्ट्रीज) नियम, 1987 का अतिक्रमण का किसी भी तरीके से निम्न पर प्रभाव नहीं पड़ेगा :-

- (क) कोई अधिकार प्राप्त आभार या देयता, जो उसके अन्तर्गत प्राप्त या उत्पन्न ;
- (ख) कोई दंड समपहरण या सजा जो किसी उसके अन्तर्गत किसी उल्लंघन के कारण हो ;
- (ग) किसी ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, आभार, देयता, दंड समपहरण या उक्त दंड के बारे में कोई जांच या कानूनी कार्रवाई और कोई ऐसी जांच, कानूनी कार्रवाई या उपचार जो कोई ऐसे दंड, समपहरण या सजा जो संस्थित की गई हो, लगाई जा सकती है जैसा कि उन नियमों का उल्लंघन न किया गया हो।

(2) जिन कंपनियों से लागत लेखाकारिता रिकार्ड (कास्टिक सोडा) नियम, 1967, लागत लेखाकारिता (सोडा ऐश) नियम, 1976, लागत लेखाकारिता रिकार्ड (सल्फ्यूरिक एसिड) नियम, 1980 तथा लागत लेखाकारिता रिकार्ड (कैमिकल इंडस्ट्रीज) नियम, 1987 के अन्तर्गत अपेक्षित है, वे ऐसा संबंधित नियमों के अन्तर्गत तब तक ऐसा करते रहेंगे जब तक लागत लेखाकारिता रिकार्ड (कैमिकल इंडस्ट्रीज) नियम, 2004 उन पर लागू होंगे।

परिशिष्ट
(नियम 2 देखें)

उन उत्पादों की सूची जिनके लिए नियम लागू होंगे --

01. एसीटिक एसिड
02. एसीटिक एनहाइड्राइड
03. एसीटोन
04. एलुमीनियम फ्लोराइड
05. एनीलीन
06. बेंजीन
07. बोरीक एसिड
08. बुटाडाइन
09. बुटानोल
10. कैल्शियम कार्बाइड
11. कार्बन ब्लैक
12. कार्बोस्टिक सोडा
13. क्लोरो मिथेन्स
14. डाईएसीटोन अल्कोहल
15. डाई-इथिलीन ग्लाइकोल
16. 2-इथाईल हेक्सानोल
17. एथिलीन
18. एथलीन डाईक्लोराइड
19. एथलीन ग्लाइकोल
20. एथलीन ओक्साइड
21. फोरमलडीहाइड
22. आइसोप्रोपेनोल
23. लीनियर अल्काइल बेंजीन
24. मैलीक अनहाइड्राइड
25. मिथेनोल
26. मिथाईल एथाइल कीटोन
27. मिथाईल आइसोब्यूटाइल कीटोन (एम आई बी के)
28. नाइट्रोबेंजीन
29. औरथो नाइट्रो क्लोरो बेंजीन
30. पारा नाइट्रो क्लोरो बेंजीन
31. पेंटा इरीथिरीटोल
32. फिनॉल
33. पालीएथिलीस विज एलडीपीई, एचडीपीई, एलएलडीपीई
34. पालीप्रोपलीन
35. पालीएथलीन ग्लाइकोल
36. प्रोपाइलीन
37. सोडा एश

38. सोडीयम ट्राईपोली फोस्फेट
39. स्लफ्यूरिक एसिड
40. रेसिस (नैचुरल रेसिन्स को छोड़कर) पेंट्स, वारनीश और प्लास्टिक
41. सिंथेटिक रबर
42. टाइटेनियम डाइक्साइड
43. टालईन
44. हेक्सीलीन

अनुसूची
(देखे नियम 3)

1. सामग्री

(1) सही रिकार्ड भी रखे जान चाहिए जिनमें अलग से सभी प्राप्तियां इश्यू तथा तुलन दोनों ऐसे कच्चेमाल की प्रत्येक मद की मात्रा और लागत दर्शाते हुए हों (काम तक सभी प्रत्यक्ष प्रभावों सहित) जिसकी संदर्भाधीन उत्पादन, प्रक्रिया या उत्पादों के निर्माण की आवश्यकता हो। वह आधार जिस पर मात्रा, इश्यू की लागत तथा उपभोग की गणना की जाती है, का लागत रिकार्डों में वर्णन किया जाना चाहिए। आयातित कच्चे माल के मामले में, उपर्युक्त रिकार्ड रखे जाने चाहिए जिसमें आयातित माल की मात्रा का वर्णन हो। स्वतंत्र बोर्ड मूल्य, ओवरसीज फ्राइट, इंश्योरेंस, कस्टम ड्यूटी तथा इन्लैंड फाईट प्रभार तथा लाईसेंस वार मात्रा, वास्तविक आयातित मात्रा, उपयोग की गई वास्तविक मात्रा, स्टॉक में रखी मात्रा, तथा अभी भी कुल लाईसेंस स्टॉक मात्रा में आयात की जाने वाली मात्रा। यदि दोनों सामग्रियों को इस्तेमाल कर लिया जाए तो उसका मिक्स प्रतिशत का ब्यौरा दर्शाने वाला रिकार्ड प्रत्येक को रखना चाहिए।

(2) उपर्युक्त रिकार्ड को रखा जाना चाहिए जिसमें पावतियो, इश्यू तथा लागत व प्रत्येक मद की लागत में बेलेंस प्रक्रियात्मक सामग्री तथा संदर्भाधीन उत्पादों के निर्माण में इस्तेमाल किया गया कैटालिस्ट भी दर्शाया गया हो। लागत में योजना सहित सभी प्रत्यक्ष प्रभाव होने चाहिए। कैटालिस्ट के मामले में उपयोग के लिए समायोजित वित्तीय वर्ष में मूल्य तथा जारी की गई मात्रा का उपर्युक्त रिकार्ड भी रखा जाना चाहिए। यदि कैटालिस्ट की अवधि एक वर्ष से अधिक है, तो आवश्यक समायोजन किया जाना चाहिए। यदि कैटालिस्ट की अवधि के बारे में नहीं पता तो उपयोग का तकनीकी आधार पर मूल्यांकन करना चाहिए।

(3) जहां कंपनी इन कच्चे माल, मध्यस्थों, प्रक्रिया सामग्री, को उत्पादित करती है, उनके लिए ऐसी मदों के उत्पादन की लागत दर्शाने वाला विवरण अलग से रिकार्ड प्रोफार्मा 'बी' में होना चाहिए। जिस आधार पर मात्रा तथा इश्यू की लागत तथा ऐसे उत्पादित सामग्री के उपयोग तथा कंपनी द्वारा प्रक्रिया से होने की गणना की जाती है को लागत रिकार्डों में दर्शाया जाना चाहिए।

(4) इश्यू, सभी कच्चे माल का उपयोग, कच्चा माल, प्रक्रियात्मक सामग्री तथा कैटालिस्ट की उत्पाद प्रक्रिया वार पहचान की जानी चाहिए।

(5) मात्रा तथा सामग्री की लागत के बारे में महत्वपूर्ण मूल्य वाले विभिन्न प्रक्रियाओं में रिकवरी का मूल्य दर्शाते हुए उपर्युक्त रिकार्ड रखा जाना चाहिए। यदि प्रक्रिया में रिकवरी को दोबारा से इस्तेमाल न किया जाए और बिना आगे की प्रक्रिया के बेच दिया जाए या निपटारा कर दिये जाते तो ऐसी बिक्री से प्राप्त आय को रिकार्ड किया जाना चाहिए और संबंधित प्रक्रिया के विरुद्ध समायोजित किया जाना चाहिए। यदि आगे की कार्रवाई रिकवरी को इस्तेमाल या बिक्री के लिए आवश्यक बनाई जाए, जैसा भी मामला हो, ऐसी आगे की प्रक्रिया के लिए शामिल लागत का उपर्युक्त रिकार्ड रखा जाना चाहिए।

यदि ऐसी प्रक्रिया बाहरी एजेंसी द्वारा की जाए तो प्रक्रिया के लिए भेजी गई मात्रा, प्रक्रिया के बाद वापिस प्राप्त का उपयुक्त रिकार्ड रखा जाना चाहिए तथा लागत का भी रिकार्ड रखा जाना चाहिए। वास्तविक रूप से प्राप्त आमदनी को यदि कोई हो, तो ऐसी रिकवरी से संबंधित मुख्य प्रक्रिया के विरुद्ध समायोजित कर देना चाहिए। रिकवरी की लागत को समान तथा कारण के आधार पर निश्चित की जानी चाहिए तथा लागू किया जाना चाहिए। रिकवरी का वास्तविक बिक्री आमदनी दर्शाने वाले रिकार्डों को भी रखा जाना चाहिए।

(6) प्राप्ति, इश्यू तथा शेष दोनों प्रत्येक उपभोक्ता स्टोर की प्रत्येक पद की मात्रा तथा लागत उपनियम (2) द्वारा शामिल न किए गए प्रक्रियात्मक सामग्री, लघु औजारों तथा स्पेयर मशीनरी, प्रत्यक्ष सामग्री आदि का उपयुक्त रिकार्ड रखा जाना चाहिए। लागत में योजना तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार शामिल होने चाहिए।

(7) उपभोक्ता स्टोर की लागत, लघु औजार तथा मशीनरी स्पेयर को संदर्भित लागत सेंटर या विभाग या वास्तविक इश्यू के आधार पर उत्पाद प्रक्रिया पर चार्ज किए जाने चाहिए। इस्तेमाल किए जाने वाले उपभोक्ता स्टोर तथा लघु औजारों के मामले में जिसकी लागत गैर आधारित हो, कंपनी यदि अपेक्षित समझे तो उपभोक्ता स्टोर तथा औजारों के समूह का रिकार्ड रखा जाना चाहिए।

(8) कच्चे माल की वेस्टेज, खराब हुए, अस्वीकृत तथा नुकसान की मात्रा व मूल्य मध्यस्थ, प्रक्रिया सामग्री, उपभाग योग्य भंडारण, लघु टूल्स तथा, मशीनरी स्पेयर चाहे वह प्रचलन में है, स्टोरेज विनिर्माण या किसी अन्य स्तर पर होने वाले दर्शाने वाला सही रिकार्ड रखा जाना चाहिए। उक्त नुकसान को समायोजित करने के लिए तथा अस्वीकृत और बेकार सामग्री, खराब हुए सहित यदि कोई हो, उत्पाद की लागत निश्चित करने के लिए अपनाई गई पद्धति को लागत रिकार्डों में दर्शाया जाना चाहिए। कितनी भी प्रकार के असामान्य वेस्टेज या खराब हुए सहित या अस्वीकृति या नुकसान का कारण सहित विवरण देना चाहिए।

(9) कच्चे माल, मध्यस्थ सामग्री तथा प्रक्रिया सामग्री के समाप्त तथा अर्द्धपूर्ण; उपभोग भंडार, लघु टूल्स तथा मशीनरी स्पेयर जिसका 12 महोनों से अधिक इस्तेमाल नहीं हुआ का मूल्य दर्शाते हुए उपयुक्त रिकार्ड रखा जाना चाहिए।

(10) जहां कोई क्रेडिट सैन्ट्रल वैल्यू ऐडेड टैक्स (सीईएनवीएटी) के अंतर्गत केन्द्रीय सीमा शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अंतर्गत या सीईएनवीएटी की प्रकृति के अन्य लाभ सामग्री की किसी मद पर उपलब्ध है तो ऐसी सामग्री की लागत को ऐसे क्रेडिट या लाभ को समायोजित करने के बाद दर्शाया जाना चाहिए।

(11) यदि इनपुट सामग्री को बाहरी पार्टी के माध्यम से प्रचालित किया जाता है तो प्रक्रिया/प्रक्रिया के बाद प्राप्त मांग सामग्री की तुलन मात्रा, प्रक्रिया के दौरान सामग्री की वेस्टेज रिकवर किए गए सह उत्पाद यदि कोई हो तथा प्रक्रिया के दौरान शामिल लागत हेतु भेजी गई मात्रा के लिए उपयुक्त रिकार्ड रखा जाना चाहिए।

2. वेतन और मजदूरियां

(1) लागत केन्द्रों या विभागों को निर्दिष्ट किए गए सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उपार्जन को और काम जिस पर वे लगाए गए हैं, को दिखाने के लिए उपयुक्त अभिलेखों का अनुक्षण किया जाएगा। अभिलेख प्रत्येक लागत केन्द्र या विभाग के लिए निम्न को भी अलग से प्रदर्शित करेगा ;

- (क) खण्ड दर मजदूरी (जहां कहीं लागू हों) ;
- (ख) प्रोत्साहन मजदूरी, व्यक्तिगत या सामूहिक जैसे कि उत्पादन बोनस या पैदावार के आधार पर या अन्य किसी दूसरी योजना के अंतर्गत ;
- (ग) समयोपरि भत्ता मजदूरी ;
- (घ) दैनिक या ठेकेदारी के श्रमिकों का उपार्जन ;
- (ङ) बोनस या ग्रेच्युटी, संवैधानिक के साथ अन्य भी ;
- (च) सेवानिवृत्ति योजना में अंशदान ;
- (छ) उपरोक्त (क) से (च) में उल्लिखित प्रकृति की अन्य कोई दूसरी उपाजन ;

(2) अभिलेखों को इस प्रकार अनुरक्षित किया जाएगा जिस से कंपनी प्रासंगिक उत्पादों को केन्द्र-वार या विभाग-वार इन लागत खर्चों को सुरक्षित करने और इन नियमों से संलग्न अनुसूची के क, ख, ग और घ प्रोफार्मा में इस शीर्ष के अंतर्गत आवश्यक तथ्य देने में समर्थ हो सके। जहां कर्मचारी इस ढंग से कार्य करते हैं कि उनका किसी विशेष लागत केन्द्र या विभाग की पहचान करना संभव नहीं है कर्मचारी लागत साम्यिक और उपयुक्त आधार पर लागत केन्द्रों या विभागों में अभिभाजित की जाएगी और समनुरूपता से लागू की जाएगी।

(3) आदर्श मजदूरी लागत वर्गीकृत शीर्षों के तहत, उनके कारणों का उल्लेख करते हुए अलग से रिकार्ड की जाएगी। आदर्श समय भुगतानों की गणना के लिए अपनाये गए तरीके का भी लेखा रिकार्डों में वर्णन किया जाएगा।

(4) मुख्य कार्यों के लिए आबंटन करने योग्य कोई वेतन और मजदूरी जैसे प्लांट और मशीनरी के अतिरिक्त, बिल्डिंग या दूसरी निश्चित परिसम्पत्तियों की प्रासंगिक मुख्य शीर्षों के तहत गणना की जाएगी। उसी प्रकार, स्थगित राजस्व व्यय के प्रकार की अदायगी उनके कारणों को दर्शाते हुए अलग से वर्गीकृत शीर्षों के तहत अलग से रिकार्ड की जाएगी। प्रासंगिक उत्पाद/उत्पादों की लागत का निश्चय करने में ऐसे भुगतानों के लिए अपनाया गया तरीका साम्यिक और उपयुक्त आधार पर होगा और समनुरूपता से लागू किया जाएगा। कथित तरीके का लागत अभिलेखों में भी वर्णन किया जाएगा।

(5) कर्मचारियों को देने योग्य सामान्य सेवानिवृत्ति लाभों की लागत को अलग से रिकार्ड किया जाएगा और लागत से लिया जाएगा। प्रासंगिक उत्पादकों की लागत को निश्चित करने में ऐसी लागतों की गणना के लिए अपनाया गया तरीका साम्यिक और उपयुक्त आधार पर होगा और समनुरूपता से लागू किया जाएगा और अलग से प्रदर्शित किया जाएगा। सेवा समाप्ति के लाभ जो साधारण सेवानिवृत्त वाले लाभ जैसे ऐच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत लाभ को असामान्य के रूप से माना जाएगा और उत्पादन की लागत और वेतन और मजदूरियों का भाग नहीं होगा।

3. उपयोगिताएं

- (1) ऐसा ब्यौरा जो कंपनी को अनुसूची के प्रोफार्मा 'क' में अलग से प्रत्येक उपयोगिता के लिए विवरण देने का सामर्थ्य प्रदान करे, उसमें विभिन्न लागत केन्द्रों के द्वारा उत्पादित एवं उपभोग की गई प्रत्येक बड़ी उपयोगिता जैसे बिजली, पानी, भाप, मल निकास संबंधी उपाय आदि की मात्रा और लागत दर्शाते हुए समुपयुक्त रिकार्डों का रखरखाव किया जाएगा।
- (2) यदि कोई उपयोगिता खरीदी जाती है, तो कर्मों तक सभी प्रत्यक्ष शुल्कों सहित प्रदत्त लागत दर्शाने वाले समुपयुक्त रिकार्डों का खरीदी गई प्रत्येक उपयोगिता की मात्रा एवं कीमत के लिए रखरखाव किया जाएगा।
- (3) जहां कोई उपयोगिता कंपनी की किसी अन्य इकाई द्वारा उत्पादित एवं प्रदत्त हो, उस प्रदत्त उपयोगिता की लागत एवं मात्रा का अनुमान लगाने के लिए समुपयुक्त रिकार्डों का रखरखाव किया जाएगा।
- (4) कंपनी की किसी अन्य इकाई(इकाईयों)को प्रदत्त उपयोगिता यदि कोई हो, तो उसकी कीमत समानता एवं औचित्य के आधार पर आंकी जाएगी तथा उसी रूप में लागू की जाएगी।
- (5) लागत केन्द्रों और आगे वैयक्तिक उत्पादों को वितरित/विभाजित उपयोगिता की लागत समानता एवं औचित्य के आधार पर आंकी जाएगी तथा उसी रूप में लागू की जाएगी।
- (6) जहां प्रत्यक्ष उर्जा, संदर्भ के अधीन किसी भी उत्पाद के उत्पादन या निर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल को विद्युत अपघटित करने के लिए प्रमुख आगतों में से एक हो, ऐसी प्रत्यक्ष उर्जा कच्चे माल की लागत में शामिल की जाएगी और तदनुसार ही दर्शाई जाएगी।
- (7) रिकार्डों में उर्जा के संरक्षण और उत्पादन की प्रति यूनिट लागत पर इसके तदनुसार प्रभाव के लिए किए गए उपाय भी निर्दिष्ट होंगे।

4. सेवा विभाग व्यय

प्रत्येक सेवा विभाग या लैबोरेट्री, कल्याण, ट्रांसपोर्ट आदि लागत केन्द्र के संबंध में किए गए व्ययों का दर्शाने के लिए समुपयुक्त रिकार्डों का रखरखाव किया जाएगा। इन व्ययों को अन्य सेवा और उत्पादन विभागों को समानता एवं समुपयुक्तता के आधार पर बांटा जाएगा तथा उसी रूप में लागू किया जाएगा। जहां ये सेवाएं कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए भी प्रयोग की जाती हैं, संदर्भ के अधीन उत्पादों और अन्य उत्पादों को ऐसे व्ययों के विभाजन के आधार समानता एवं समुपयुक्तता के आधार ही होंगे तथा उसी रूप में लागू किए जाएंगे। मुक्त आधार लागत रिकार्डों में भी दर्शाए जाएंगे।

5. मरम्मत और रखरखाव

- (1) कार्यशाला औजार कक्ष और विभिन्न लागत केन्द्रों और विभागों में मरम्मत और रखरखाव पर द्वारा किए गए व्यय को दर्शाने वाले समुपयुक्त रिकार्डों का रखरखाव भिन्न भिन्न शीर्षकों के अधीन किया जाएगा। रिकार्डों में भिन्न लागत केन्द्रों या विभागों को ऐसे व्यय चार्ज करने के आधार पर दर्शाया जाएगा। जहां किसी लागत केन्द्र या विभाग के प्रत्यक्ष वर्कर्स के द्वारा रखरखाव का कार्य किया जाता है, ऐसे वर्कर्स की मजदूरी एवं वेतन उस संबंधित लागत केन्द्र या विभाग के प्रत्यक्ष व्ययों के रूप में समझे जाएंगे। यदि नियम 2 में संदर्भित उत्पादों के अतिरिक्त उत्पादों के लिए सेवाओं का उपयोग किया जाता है, तो कार्यशाला, औजार कक्ष तथा मरम्मत एवं रखरखाव की लागत के हिस्से को वसूलने की पद्धति समानता और समुपयुक्तता के आधार पर होगी तथा उसी रूप में लागू की जाएगी।

- (2) उपरोक्त के अतिरिक्त, रिकार्डों में राशि तथा भण्डारों एवं चौबीस माह से अधिक समय से जो काम में नहीं लाए गए हैं, उन वस्तुओं से संबंधित स्पेयर पार्ट्स की प्रारंभिक सूची का समान भाग भी विनिर्दिष्ट होगा।
 - (3) मुख्य मरम्मत कार्य जिनसे लाभ मिलने की संभावना हो, एक वित्तीय वर्ष से अधिक समय के लिए उन पर व्यय अलग से दर्शाया जाएगा तथा उस समयावधि के दौरान की लागत में शामिल किया जाएगा, जिसके लिए ऐसे लाभों के प्राप्त होने की, समानता एवं समुपयुक्तता के आधार पर संभावना होती है तथा उसी रूप में लागू होते हैं। ऐसी लागतों के आवंटन के आधार पर आंकलन की पद्धति की लागत रिकार्डों में स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट की जाएगी।
6. **आवर्ती परिसम्पत्तियां, अवमूल्यन एवं पट्टा शुल्क**

(1) जिन उत्पादों के अवमूल्यन के संबंध में संदर्भ प्रदान किया जाना है, के अधीन उन उत्पादों के उत्पादन, प्रक्रिया में लाया जाना या निर्माण कार्य के लिए प्रयुक्त परिसम्पत्तियों के लिए उपयुक्त एवं पर्याप्त रिकार्डों का रखरखाव किया जाएगा। अन्य बातों के साथ-साथ उन रिकार्डों में नियम 2 के अंतर्गत संदर्भित प्रत्येक उत्पाद के अंतर्गत परिसम्पत्तियों का समूहीकरण स्थापित किए जाने के शुल्कों सहित परिसम्पत्ति के प्रत्येक मद के अधिग्रहण की लागत, अधिग्रहण की तारीख और अवमूल्यन की दर को विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

(2) वे रिकार्ड जिन्हें संदर्भ के अधीन उत्पादों के लिए प्रयुक्त किया जाएगा। कुल सावधि परिसम्पत्तियों वर्ष तक अवमूल्यन का निर्धारण करने और शीर्षकों : भूमि एवं भवन, प्लांट एवं मशीनरी, फर्नीचर एवं फिक्सचर आदि, के अंतर्गत शुद्ध सावधि परिसम्पत्तियों को पहचानने और/या आवंटित करने के लिए सामर्थ्य प्रदान करते हैं, उन रिकार्डों का रखा रखाव किया जाएगा। संदर्भ के अधीन उत्पादों के लिए सामान्य परिसम्पत्तियों के अभिभाजन का आधार समानता एवं समुपयुक्तता के आधार पर होगा तथा उसी रूप में लागू होगा। परिसम्पत्तियों के पुनर्मुल्यांकन के मामले में, उसे अलग से दर्शाया जाएगा तथा पुनर्मुल्यांकन पर अवमूल्यन को लागत विवरण में शामिल नहीं किया जाएगा।

(3) जिस आधार पर अवमूल्यन की गणना की जाती है और विभिन्न लागत केन्द्रों या विभागों को आवंटित या अभिभाजित किया जाता है तथा सभी उत्पादों पर अवशोषित लागत रिकार्डों में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा। यदि लागत केन्द्रों या विभागों से अवमूल्यन की बसूली की गई या बसूली की जानी है, वह अवमूल्यन कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205 की उपधारा (2) के उपबंधों के अंतर्गत निर्धारित अवमूल्यन दरों को लागू करके अवमूल्यन की गई गणना से अधिक या कम होता है, अधिक या कम अवमूल्यन की ऐसी राशि स्पष्ट रूप से लागत रिकार्डों में विनिर्दिष्ट की जाएगी। लागत रिकार्ड, जैसा भी मामला हो, प्रत्येक उत्पाद की प्रति यूनिट लागत पर ऐसे अधिक या कम अवमूल्यन के प्रभाव को दर्शाएंगे। यद्यपि परिसम्पत्ति के किसी भी अलग मद के विरुद्ध लागत रिकार्डों के बसूले गए संचित अवमूल्यन उस परिसम्पत्ति की मौलिक लागत से अधिक नहीं होंगे।

(4) समुपयुक्त रिकार्डों का पट्टे पर ली या दी गई परिसम्पत्तियों का ब्यौरा देकर रखरखाव किया जाएगा। प्रदत्त या प्राप्त वित्तीय शुल्कों अवमूल्यन आदि के रूप में किराये के पट्टे के ब्यौरे का रखरखाव अलग से किया जाएगा। संबंधित पक्ष को दी या ली गई परिसम्पत्तियों के लिए ब्यौरे का अलग से रखरखाव किया जाएगा।

7. अधिव्यय

(1) संदर्भ के अधीन उत्पादों से संबंधित अधिनियमों सहित प्रत्यक्ष व्ययों के विभिन्न मदों के लिए समुचित रिकार्डों का रखरखाव किया जाएगा। इन व्ययों का कार्यों, प्रशासन, बिक्री और वितरण जैसे विषयों के अनुसार सामान्य स्वीकृत लागत लेखा नियमों एवं प्रथाओं के अनुसार, विश्लेषण, वर्गीकरण एवं समूहकरण किया जाएगा।

(2) जहां कंपनी संदर्भ के अधीन उत्पादों के अलावा उत्पादों का निर्माण कर रही हो, तो रिकार्ड पूंजी के कार्यों सहित ऐसे अन्य उत्पादों तथा संदर्भ के अधीन उत्पादों के लिए कंपनी के मुख्यालय के खर्चों सहित सामान्य अधिव्ययों के अभिभाजन के लिए अनुसरण किए गए आधार को स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा। जहां कतिपय व्यय अधिव्ययों का भाग बनते हैं, उन्हें किसी विशेष उत्पादन के साथ पहचाना जा सकता है, ऐसे व्ययों को पहले अन्य व्ययों से अलग से किया जाएगा तथा प्रथम दृष्टि में संबंधित उत्पाद से वसूला जाएगा तथा उसके बाद अधिव्ययों की उपरोक्त श्रेणियों के अधीन शेष व्ययों को समानता एवं उपयुक्तता के आधार पर अभिभाजित किया जाएगा तथा उसी रूप में लागू किया जाएगा। पूंजी व्ययों के लिए वसूले जाने वाले अधिव्ययों को लागत रिकार्डों में अलग से दर्शाया जाएगा। लागत केन्द्रों या विभागों और उत्पादों के लिए अधिव्ययों के अभिभाजन या अवशेषण का आधार लागत रिकार्डों में दर्शाया जाएगा। रिकार्डों का रखरखाव इस ढंग से किया जाएगा, जिससे कि कार्यों, प्रशासन, अधिव्ययों की बिक्री और वितरण का ब्यौरा दर्शाया जा सके।

8. रायल्टी और तकनीकी जानकारी शुल्क

सहयोगियों या प्रौद्योगिकी सप्लायर्स द्वारा उनके साथ किए गए करारों के रूप में, के संदर्भ के अधीन उत्पादों के लिए निर्मित रायल्टी और/या तकनीकी जानकारी शुल्क, उसी प्रकृति के यदि कोई हो अन्य आवर्ती या गैर आवर्ती भुगतानों सहित, दर्शाए जाने वाले पर्याप्त रिकार्डों का रखरखाव किया जाएगा। ऐसे प्रत्येक करार या प्रबंध के संबंध में ऐसे रिकार्डों को अलग से रखा जाएगा। एकमुश्त भुगतान सहित ऐसी राशि, वसूलने का आधार और इसके उपचार लागत रिकार्डों में दर्शाया जाएगा।

9. अनुसंधान एवं विकास व्यय

(1) कंपनी द्वारा इन नियमों के अंतर्गत, उत्पादों के विकास की प्रकृति अर्थात् वर्तमान या नए उत्पाद एवं प्रक्रियाएं, निर्माण की प्रक्रिया का विकास वर्तमान और नए डिजाइन एवं नई प्लांट सुविधाओं का विकास तथा वर्तमान और नए उत्पादों के लिए बाजार अनुसंधान, के अनुसार इन नियमों के अंतर्गत अनुसंधान एवं उत्पादों के कार्यों के विकास के लिए किए गए व्ययों का ब्यौरा, यदि कोई हो, अलग से रखा जाएगा। अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए बाहरी पक्षों को किए गए भुगतानों को भी रिकार्डों में दर्शाया जाएगा। ऐसी राशि, एकमुश्त भुगतान सहित और इसके उपचार को लागत रिकार्डों के शामिल किया जाएगा।

(2) संदर्भ के अधीन उत्पादन तथा अन्य उत्पादों की लागत के इन व्ययों को वसूलने का आधार लागत रिकार्डों में दर्शाया जाएगा। जहां अनुसंधान एवं विकास कार्य एक वित्तीय वर्ष से अधिक अवधि तक बढ़ जाते हैं, ऐसे व्ययों को संदर्भ के अधीन उत्पादों तथा सभी अन्य उत्पादों की लागत से समानता एवं उपयुक्तता के आधार पर वसूल किया जाएगा तथा आंकड़े दर्शाते हुए उसी रूप में लागू किया जाएगा जिसके आधार पर एक वित्तीय वर्ष से अधिक के लिए इन व्ययों की उपयोगिता अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

- (3) बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी जानकारी प्रदान किए जाने के लिए अनुसंधान एवं विकास विभाग द्वारा किए गए व्ययों का अलग से रिकार्ड तैयार किया जाएगा तथा संदर्भ के अधीन उत्पादों की लागत से बाहर रखा जाएगा। बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी जानकारी प्रदान किए जाने के लिए वसूली गई राशि भी अलग से दर्शाई जाएगी तथा संदर्भ के अधीन उत्पादों की बिक्री से होने वाली आय से बाहर रखी जाएगी।

10. गुणवत्ता नियंत्रण

संदर्भ के अधीन उत्पादों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण विभाग या लागत केन्द्र के संबंध में किए गए व्ययों को दर्शाए जाने के लिए पर्याप्त रिकार्डों का रखरखाव किया जाएगा। जहां कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए इन सेवाओं का उपयोग भी किया जाता है, संदर्भ के अधीन उत्पादों एवं अन्य उत्पादों के अभिभाजन का आधार समानता एवं उपयुक्तता के आधार पर होगा तथा उसी रूप में लागू किया जाएगा।

11. लागत अन्तरो के समायोजन

जहां कंपनी मानक लागत लगाने जैसे वास्तविक आधार के अलावा अन्य किसी आधार पर लागत रिकार्डों का रखरखाव करती है, रिकार्डों में कंपनी के द्वारा ऐसी पद्धति के अंतर्गत उत्पाद की लागत निकालने में प्रयुक्त पद्धति को दर्शाया जाएगा। लागत अन्तरो को अलग शीर्षकों में दर्शाया जाएगा तथा सामग्री, श्रम, अधिव्ययों में विश्लेषण किया जाएगा तथा आगे गुणवत्ता, की कीमत और कुशलता के अंतरो में अलग समूह बनाए जाएंगे। उत्पादों की वास्तविक लागत निर्धारित करने में लागत अन्तरो को समायोजित करने के लिए अपनाई गई पद्धति स्पष्ट रूप से लागत रिकार्डों में दर्शाई जाएगी। अंतरो के लिए कारण लागत रिकार्डों और विवरणों में उचित ढंग से स्पष्ट किए जाएंगे।

12. चालू कार्य और समाप्त स्टॉक

संदर्भ के अधीन उत्पादों के चालू कार्य एवं समाप्त स्टॉक की लागत तय करने के लिए अपनाए जाने वाली पद्धति समुचित होगी तथा लागत रिकार्डों में ऐसे दर्शाई जाएगी कि जो ऐसी गणना में लाई जा चुकी हो, लागत के तथ्यों का उजागर कर सके। उनकी वर्तमान जगह एवं स्थिति की खोज खबर लाने में आई सभी संपरिवर्तन लागतों को चालू कार्य एवं समाप्त स्टॉक की लागत की गणना करते समय हिसाब में लिया जाएगा। चालू कार्य और समाप्त स्टॉक की लागत निर्धारित करने के लिए अपनाई गई पद्धति उसी रूप में लागू की जाएगी।

13. कैपिटल उपभोग

यदि संदर्भ के अधीन उत्पादों का कैपिटल उपभोग के लिए प्रयोग किया जाता है, तो समुचित रिकार्डों का रखरखाव गुणवत्ता और अपने उपभोग के लिए अन्य विभागों या कार्य केन्द्रों या कंपनी की यूनिटों को स्थानांतरित एवं अलग से बाहरी पक्षों को बेचे गए ऐसे प्रत्येक उत्पाद दर्शाते हुए किया जाएगा। स्थानांतरण प्रभावित करने वाली दरें, उत्पादान की ऐसी लागत को तैयार करने के सामान्यतः स्वीकृत लागत लेखा नियमों एवं प्रथाओं के अनुसार उत्पादन की लागत पर होंगी।

14. उपोत्पादन

उपोत्पादन की उत्पादित की गई प्रत्येक, मद, यदि कोई है, के लिए मात्रा और मूल्य दोनों में आमद, निर्गम और शेष को दर्शाते हुए उपयुक्त अभिलेखों का अनुरक्षण किया जाएगा। विषयक प्रक्रिया को श्रेय देते हुए उपोत्पादन के मूल्यांकन के लिए अपनाया गया आधार साम्यिक और समनुरूप होगी और लागत अभिलेखों में सूचित की जाएगी। आगे की प्रक्रिया अपनाने में हुए खर्च को दर्शाते हुए अभिलेखों, यदि कोई हो, को उपोत्पादन की वास्तविक बिक्री से प्राप्त वसूली की तरह ही अनुरक्षित किया जाएगा।

15. संयुक्त उत्पाद

जहां एक से अधिक उत्पाद, जो आर्थिक महत्ता के बराबर के हैं, प्रक्रिया से उत्पन्न होते हैं, उत्पादनों के अलग होने के बिन्दु तक लागत उपयुक्त और साम्यिक आधार पर संयुक्त उत्पादनों में संविभाजित होगी और समनुरूपता से लागू की जाएगी। आधार जिस पर ऐसी संयुक्त लागत प्रक्रिया से उत्पन्न होने वाले विभिन्न उत्पादनों में संविभाजित हैं को लागत अभिलेखों में दर्शाया जाएगा।

16. पैकिंग खर्च

विभिन्न पैकिंग पदार्थों की लागत, मात्रा और प्राथमिक और/या द्वितीय पैकिंग पर किए गए दूसरे खर्चों को दर्शाते हुए घरेलू और निर्यात पैकिंग के लिए अलग अलग अभिलेखों को अनुरक्षित किया जाएगा। जहां ऐसे खर्च दूसरे उत्पादनों के लिए भी सामान्य रूप में किए जाते हैं, प्रासंगिक उत्पादनों के बीच खर्च के संविभाजन का आधार उपयुक्त और साम्यिक आधार पर होगा और समनुरूपता से लागू किया जाएगा।

17. ब्याज और दूसरी उधार वाली लागतें

- (1) प्रत्येक योजना के लिए उधार लिया गया धन और/या कार्यरत पूंजी और उस पर दिये गये ब्याज के लिए उपयुक्त अभिलेखों का अनुरक्षण किया जाएगा। ब्याज की राशि और दूसरी उधार वाली लागतें प्रासंगिक उत्पादों और दूसरे उत्पादों या उपयुक्त और साम्यिक आधार और समनुरूपता पर लागू की गई गतिविधियों पर आवंटित या अभिभाजित की जाएगी। ऐसे उत्पादों के विभिन्न प्रकारों पर ब्याज के शेयरों पर आगे के प्रभारों का आधार भी साम्यिक, उपयुक्त और समनुरूपता से लागू किया जाएगा। ऐसे आवंटन या संविभाजन लागत अभिलेखों या विवरणों में स्पष्ट रूप से सूचित किया जाएगा।
- (2) पूरी होने वाली परियोजना पर उठाए गए शब्द ब्याज और दूसरी उधारी लागत परियोजना के वाणिज्यिक गतिविधियों में आने के लिए पूरा होने की तिथि की अवधि तक के लिए पूंजी में परिणित की जाएगी। फिर भी, उधारवाली लागतों का पूंजीकरण क्रियात्मक विकास में बाधित विस्तारित अवधि के लिए निलंबित होना चाहिए।

18. निर्यातों पर खर्च या प्रोत्साहन

- (1) प्रासंगिक उत्पादनों की निर्यात बिक्री पर किए गए खर्चों, यदि कोई है, को दर्शाते हुए अभिलेखों का अलग से अनुरक्षण किया जाएगा ताकि निर्यात बिक्री की लागत का ठीक प्रकार से निश्चय किया जा सके। निर्यात किए गए उत्पादनों पर उठाए गए निर्यात खर्चों या प्राप्त प्रोत्साहन का विवरण देते हुए अलग से लागत विवरणों को तैयार किया जाएगा।

(2) निर्यात सपुर्दगी अनुज्ञा रीति और इन वचनबद्धताओं को पूरा करना, गैर अनुपालना के कारण देते हुए, यदि कोई हो, का विवरण देते हुए उचित अभिलेख का अनुरक्षण किया जाएगा। यदि निशुल्क आयात किए जाते हैं तो लागत विवरणों में इस तथ्य की अभिव्यक्ति होनी चाहिए। यदि निशुल्क आयात वास्तविक उत्पादन के बाद किए गए हैं तो विवरण में इस तथ्य की भी अभिव्यक्ति होनी चाहिए।

19. लागत विवरण

- (1) लागत विवरण प्रत्युक्त की गई क्षमता, उत्पादन, अधिनियम, निर्गत और बिक्री और वर्तमान वित्तीय वर्ष और गत वर्ष के लागत के सभी तत्वों का विवरण प्रदर्शित करते हुए प्रासांगिक उत्पादकों के उत्पादन में अपनाई गई प्रत्येक प्रक्रिया के लिए प्रोफार्मा क, ख, ग और घ में तैयार किए जाएंगे।
- (2) एक प्रक्रिया से निकले हुए पदार्थ जो अनुवर्ती प्रक्रिया के लिए कच्चे पदार्थ या प्रयोग के पदार्थ होते हैं उनका पिछली अवस्था की उत्पादन की लागत पर मूल्यांकन किया जाएगा।
- (3) यदि कंपनी एक से अधिक प्लांट या फैक्टरी का संचालन कर रही है, प्रत्येक प्लांट या फैक्टरी के बारे में उपरोक्त उल्लिखित की भांति अलग से लागत विवरण तैयार किए जाएंगे।

20. लागत और वित्तीय खातों का सामंजस्य

- (1) लागत विवरणों को वित्तीय वर्ष के वित्तीय विवरणों के साथ विशेषतः लागत अभिलेखों या विवरणों में विचार न किए गए खर्चों और आयों को सूचित करते हुए मिलाया जाएगा जिससे यथार्थता सुनिश्चित हो और प्रासांगिक उत्पादकों के लाभ का कंपनी के सम्पूर्ण लाभ के साथ समायोजन हो सके। यदि, परिवर्तन, कोई है, तो उसे स्पष्टता से सूचित किया और समझाया जाएगा।
- (2) कुल किए गए सभी खर्च और विभिन्न खातों के शीर्षों में कंपनी के द्वारा प्राप्त की गई आय और दूसरे उत्पादकों पर लागू शेयर या गतिविधियों और प्रासांगिक उत्पादों को प्रदर्शित करते हुए, विवरण तैयार किए जाएंगे और वित्तीय विवरणों के साथ मिलाए जाएंगे।

21. उत्पादन और बिक्री अभिलेख

पैक किए गए या बिना पैक के समाप्त सभी सामानों, बिक्री के लिए मर्दों और प्रासांगिक विभिन्न प्रकार के उत्पादक पैकों के शेष को दर्शाते हुए परिमाणात्मक अभिलेखों का अनुरक्षण किया जाएगा। परिमाणात्मक विवरण स्वयं विनिर्मित, कार्य पर अन्य पार्टी, ऋण लाइसेंस आधार इत्यादि के उत्पादनों के परिमाणात्मक विवरण के लिए अलग से अनुरक्षित किए जाएंगे। नियंत्रित मूल्य पर घरेलू बिक्री, बाजार मूल्य पर घरेलू बिक्री, अग्रिम लाइसेंस के तहत निर्यात बिक्री, बाजार मूल्यों पर निर्यात बिक्री, पार्टी/आंतरिक इकाई स्थानांतरण से संबंधित बिक्री के लिए अलग से विवरणों का अनुरक्षण किया जाएगा।

2.2 प्रदूषण नियंत्रण

पर्यावरण की सुरक्षा के विभिन्न साधनों जैसे निस्सार निष्पादन, हवा, पानी इत्यादि के प्रदूषण के नियंत्रण पर किये गये व्ययों को विधिवत् अभिलेखित करना चाहिए।

2.3 मानव संसाधन विकास

कंपनी के द्वारा मानव संसाधन विकास जैसे कर्मचारियों का प्रशिक्षण, कार्यशाला और सेमीनार, स्वास्थ्य और सुरक्षा शैक्षिक गतिविधियों पर किये गये व्यय को अलग से अभिलेखित किया जायेगा।

2.4 सांख्यिकीय रिकार्ड

(1) भिन्न उत्पादन विभागों में उपलब्ध मशीन घंटों या प्रत्यक्ष श्रमिक व्ययों के बारे में और वास्तविक प्रयोग किये गये व्ययों का अभिलेख संदर्भित उत्पादकों के उत्पादन के लिए सुरक्षित रखा जायेगा और कर्मियों का उपयुक्तता से विश्लेषित किया जायेगा। मशीनों और/या श्रमिक के निष्क्रिय समय की गणना के लिए भी अभिलेखों को बनाये रखा जायेगा और विश्लेषित किया जायेगा।

(2) प्रसंगाधीन उत्पादकों के उत्पादन और दूसरे उत्पादकों या ऐसे तत्वों के विस्तार की गतिविधियों को अलग से पहचान योग्य बनाने के लिए कंपनी के लगी हुई पूंजी, कुल स्थिर परिसंपत्तियों और कामकाज पूंजी की अलग से पहचान करने में सक्षम बनाने के लिए समुचित अभिलेखों को रखा जायेगा। गैर-पहचान योग्य मर्दे उपयुक्त और उचित आधार पर विभिन्न उत्पादकों और क्रिया कलापों को दी जायेगी। प्रसंगाधीन उत्पादकों के उत्पादन के लिए स्थिर परिसंपत्तियों पर नये निवेशों जिनका प्रासंगिक समय/वर्ष के दौरान उत्पादनों में योगदान नहीं है को लागत अभिलेखों में सूचित किया जायेगा। अभिलेख विस्थापित के रूप में शामिल की गई परिसंपत्तियों और उनको जो वेतमान पूंजी को बढ़ाने के लिए शामिल की गई है, को साथ में प्रदर्शित करेगा।

(3) जहां कहीं विश्व व्यापार संगठन उपबंध आकर्षित होते हैं, घरेलू की भांति वैश्विक बाजार के प्रासंगिक उत्पादकों की प्रतिस्पर्द्धता की पहचान करने के लिए उपयुक्त अभिलेख का अनुसंधान किया जायेगा। विनिर्मित उत्पादकों की बाजारी शेयर की पहचान करने और देश में प्रतिस्पर्द्धा समान के आयात किये जाने के कारण उस पर पड़ने वाले प्रभाव की पहचान करने के लिए पर्याप्त सांख्यिकी अभिलेखों का भी अनुसंधान किया जायेगा।

(4) नियम 2 के अंतर्गत संदर्भित किये गये उत्पादक या क्रियाकलाप के लिए नये बड़े परियोजनाओं के मामले में विभिन्न स्रोतों से लिए गये कोषों उनका प्रयोग, लगी हुई लागत का प्रक्रम अनुसार विवरण और परियोजना की रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की प्रगति रिपोर्ट को दर्शाते हुए उपयुक्त अभिलेखों का अनुसंधान किया जायेगा। लागत और अवधि के पश्चात आय का सेवाओं या गतिविधि की लागत के संदर्भ और इसका कंपनी की लाभ योग्यता पर प्रभाव का विश्लेषण किया जायेगा।

25. प्रत्यक्ष सत्यापन का अभिलेख

स्टाक में रखी गई सभी मदों जैसे कच्ची सामग्री, प्रक्रिया से गुजरी सामग्री, पैकिंग की सामग्री, उपभोग योग्य स्टोर, मशीन के स्पेयर्स, रसायन, ईंधन, उपयोग की गई सामग्री और स्थिर परिसंपत्तियों के बारे में प्रत्यक्ष सत्यापन के अभिलेखों का अनुरक्षण किया जा सकता है। ऐसे सत्यापनों से उठने वाली कमियों/सरप्लस के लिए कारणों और उत्पादकों की लागत में उनको समायोजन करने के लिए अपनाये नये तरीके को अभिलेखों में दिया जायेगा।

26. संबंधित पार्टी संव्यवहार

(1) संबंधित पार्टी संव्यवहार के बारे में एक कंपनी के द्वारा दूसरी कंपनी को की गई आपूर्ति या दी गई सेवाओं को "संबंधित पार्टी संबंध" कहा गया है जैसा कि निम्न में परिभाषित किया गया है और उसके विपरीत अनुक्रम में निम्न के बारे में दिये गये ठेकों, करारों या किये गये समझौतों को दर्शाते हुए अभिलेखों का अनुरक्षण किया जायगा।

(क) कच्ची सामग्री, उपयोग हुए उत्पादकों, प्रक्रिया में ली गई सामग्री और स्क्रपों सहित रद्द किये गये समानों का खरीदना और बेचना।

(ख) प्लांट सुविधाओं और तकनीकी जानकारी का प्रयोग।

(ग) उपयोगिता और अन्य दूसरी सेवाओं का दिया जाना।

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय या अन्य दूसरी परामर्शी सेवाएं।

(ङ) संयंत्र मशीनरी सहित पूंजी माल का खरीदना और बिक्री करना।

(च) और प्रासंगिक उत्पादकों को विनिर्माण या संसाधन, उत्पादन से संबंधित अन्य कोई दूसरा भुगतान।

(2.) ये अभिलेख चार्ज की गई दरों पर पहुंचने के लिए अपनाये गये आधार को भी सूचित करेंगे या ऐसे उत्पादकों के लिए किया गया भुगतान या सेवाएं जो ऐसी दरों की युक्तियुक्तता के निर्धारण को समर्थ बनाती हैं जहां तक वे प्रासंगिक उत्पाद से किसी प्रकार संबंधित हैं।

(3) निम्न "संबंधित पार्टी संबंधों" के द्वारा संव्यवहार उप-नियम (1) के अंतर्गत रखा जायेगा।

(क) उद्यम जो एक या अधिक माध्यमों के द्वारा प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से नियंत्रित किये जाते हैं या रिपोर्ट करने वाले उद्यम (इस में मुख्य कंपनियों, अनुषंगी और वाद की अनुषंगी कंपनियां शामिल होगी) उनके साथ साधारण नियंत्रण में हैं।

(ख) सहयुक्तों और रिपोर्टिंग उद्यम के संयुक्त उद्यम और निवेशक पार्टी या उद्यम जिसके बारे में रिपोर्टिंग उद्यम एक सहयुक्त या एक संयुक्त उद्यम है।

(ग) रिपोर्टिंग उद्यम की मत देने की शक्ति में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हित जो उनपर नियंत्रण या उद्यम और ऐसे किसी व्यक्ति के संबंधियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है।

(घ) मुख्य प्रबंधन कार्मिक और ऐसे कार्मिक के संबंधी; और

(ङ) उद्यमों जिनमें (ग) या (घ) में वर्णन किये गये के अनुसार कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण प्रभाव को प्रयुक्त करने के योग्य है। यह रिपोर्टिंग उद्यम के निदेश को या बड़े शेयर धारकों के द्वारा स्वामित्व में लिए गये उद्यमों को और उन उद्यमों को जो रिपोर्टिंग उद्यम के साथ सामान्य में मुख्य प्रबंधन के सदस्य रखते हैं, को शामिल करता है।

(4) फिर भी, निम्न को "संबंधित पार्टी संबंधी" की तरह नहीं समझा जायेगा।

(क) उपरोक्त पैराग्राफ (घ) या (ङ) के अलावा दो कंपनियों जो साधारण में एक निवेशक रखती है (जब तक निदेशक दोनों कंपनियों की आपसी लेन देन की नितियों को प्रभावित न करता हो।)

(ख) एक मात्र ग्राहक, सप्लायर, विशेषाधिकारी वितरक या साधारण एजेंट जिसके साथ एक उद्यम केवल परिणामी आर्थिक निर्भरता के गुण के कारण व्यापार की महत्वपूर्ण राशि का व्यापार करता है, और

(ग) निम्न सूची में दी गई पार्टियां एक उद्यम के साथ उनकी सामान्य लेन देन के दौरान केवल उस लेन देन की हैसियत से (यद्यपि वे इसकी निर्णय करने की प्रक्रिया में उद्यम या भागीदार की कार्यवाई की स्वतंत्रता को सीमित कर सकते हैं।)

(i) वित्त का प्रावधान करने वाले ;

(ii) व्यापारिक संघों ;

(iii) जन उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी समर्थित निकायों सहित सरकारी विभाग और सरकारी एजेन्सियों।

व्याख्या: - इन नियमों के उद्देश्य के लिए, -

(क) "संबंधित पार्टी संबंध" का अभिप्राय उन संबंधित समझी जाने वाली पार्टियों से है जो सूचना अवधि के दौरान यदि किसी भी समय एक पार्टी दूसरी पार्टी पर नियंत्रण करने की योग्यता रखती है या वित्तीय और/या संचालन विषयों को करने में दूसरी पार्टी पर महत्वपूर्ण प्रभाव प्रयोग करती है ;

(ख) "संबंधित पार्टी लेन देन" का अभिप्राय संबंधित पार्टियों में परस्पर साधनों या बाध्यताओं का हस्तांतरण है चाहे मूल्य लिया जाता है या नहीं ;

(ग) "नियंत्रण" का अभिप्राय

(i) एक उद्यम की मतदान की शक्ति के आधे से अधिक से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष, स्वामित्व; या

(ii) एक कंपनी के मामले में निदेशक मंडल के संघटन या किसी दूसरे उद्यम के मामले में सादृश्य शासी निकाय के संघटन का नियंत्रण; या

- (iii) उद्यम की वित्तीय और/या संचालन नितियों में अधिनियम या करार के द्वारा मतदान शक्ति और निदेश करने की शक्ति में पर्याप्त हित;
- (घ) "महत्वपूर्ण प्रभाव" का अभिप्राय एक उद्यम की वित्तीय या संपादित निति निर्णयों में भागीदारी, लेकिन उन नितियों पर नियंत्रण नहीं, से है ;
- (ङ) "एक सह" का अर्थ एक उद्यम जिसमें एक निवेश करने वाली रिपोर्टिंग पार्टी महत्वपूर्ण प्रभाव रखती है और जो उस पार्टी की न तो अनुषंगी और न संयुक्त उद्यम है ।
- (च) "एक संयुक्त उद्यम" का अभिप्राय एक संविदात्मक प्रबंध से है, जिसमें दो या दो से अधिक पार्टियां एक सस्ता उत्पाद करती है, जो संयुक्त नियंत्रण की शर्त के अनुसार है ;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" का अभिप्राय एक सस्ते उत्पाद की वित्तीय और संपादित नितियों को नियमित करने की शक्ति में भाग लेने के लिए संविदात्मकता से सहमत होना है ताकि इस से लाभ प्राप्त किया जा सके ;
- (ज) "मुख्य प्रबंधन कार्मिक" का अभिप्राय उन व्यक्तियों से है जो रिपोर्टिंग उद्यम की गतिविधियों की योजना निर्देश और नियंत्रण के लिए प्राधिकारी और जिम्मेदार है ।
- (झ) "संबंधी" एक वैयक्तिक के संबंध में, अभिप्राय विवाहिती, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता जो खून के रिश्ते से संबंधित है, से है
- () "धारित कंपनी" का अभिप्राय कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के तात्पर्य के भीतर धारित कंपनी से है ।
- (ट) "अनुषंगी" का तात्पर्य कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अनुसार अनुषंगी कंपनी से है;
- (ठ) "सह अनुषंगी" का तात्पर्य एक कंपनी दूसरी कंपनी की सह अनुषंगी कही जाती है यदि दोनों कंपनियां उसी धारित कंपनी की अनुषंगी कंपनियां है ;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" का तात्पर्य उस उद्यम से है जो केन्द्र सरकार या राज्य सरकार के नियंत्रण के अधीन है

प्रोफार्मा 'क'

कंपनी का नाम: -

फैक्ट्री / ईकाई का नाम व पता: -

उपयोगी वस्तुओं जैसे पावर, स्टीम, वाटर, इत्यादि की लागत, उत्पादन और खपत और वर्ष/अवधि के दौरान निस्सारी प्रतिपादन को दर्शाने वाली विवरणी :

क. मात्रात्मक सूचना :

क्रम सं०	विशिष्टियां	वर्तमान वर्ष (इकाई)	गत वर्ष (इकाई)
1.	लगाई गई क्षमता		
2.	उत्पादित मात्रा		
3.	क्षमता उपयोग		
4.	पुनः परिचालित मात्रा		
5.	खरीदी गई मात्रा, यदि कोई है		
6.	हानियों सहित स्वयं-खपत (उल्लिखित करें)		
7.	उपलब्ध शुद्ध ईकाईयां		

ख. लागत सूचनाएं:

क्रम सं०	विशिष्टियां	मात्रा	प्रति ईकाई	राशि	प्रति ईकाई लागत	
			दर (रूपये)	(रूपये)	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क.						
1.	सामग्री (विनिर्दिष्ट करें) (क) (ख) (ग)					
2.	प्रक्रियारत सामग्री/रसायन					
3.	प्रत्यक्ष मजदूरी और वेतन					
4.	उपयोगी सामग्री (विनिर्दिष्ट करें) (क) (ख) (ग)					
5.	दूसरे प्रत्यक्ष खर्च, यदि कोई हो,					
6.	उपभोग्य स्टोर्स और स्पेयर्स					
7.	मरम्मत और अनुक्षण					
8.	अवमूल्यन					
9.	पट्टा किराया, यदि कोई हो					
10.	शीर्ष से अलग दूसरे कार्य					
11.	उप-जोड़ (1 से 10)					
12.	कमी जमा, यदि कोई हो					
13.	कुल लागत (11-12)					
ख	लागत केन्द्र या उत्पाद के लिए प्रभाजित					
	1.					
	2.					
	3.					
	4.					
	n					

हस्ताक्षर

कंपनी के लागत अभिलेखों का अनुक्षण करने
वाले कार्याधिकारी का नाम और पदनाम

टिप्पणियाँ:

1. जब कभी ऐसी उपयोगिता कार्यात्मक रूप से स्वतंत्र है और संयुक्त ईकाई का भाग नहीं है तब लागत पर महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाली प्रत्येक बड़ी उपयोगिता के लिए अलग से लागत तालिका तैयार की जानी है।
2. उपयोगी वस्तुओं में से कोई वस्तु जो कंपनी के द्वारा विनिर्मित की हुई है, बाह्य पार्टियों को बेची जाती है उसकी बिक्री की लागत और वसूल की गई बिक्री की विस्तित में गणना की जायेगी जैसा कि बिक्री की लागत से संबंधित प्रोफार्मा 'ग' में सोदाहरण दिया गया है।
3. विशेष रूप रेखा को शामिल करने के लिए प्रोफार्मा में इस ढंग से सुधार किया जा सकता है कि क्रम संख्या में मदों से पहले या बाद में वर्ण क्रम में अतिरिक्त मदों को शामिल करने पर प्रोफार्मा के अनुसार क्रम संख्या बनी रहे।
4. निकाली हुई मदें लागू नहीं हैं।

प्रोफार्मा ख

कंपनी का नाम: -

फैक्ट्री / ईकाई का नाम व पता: -

प्रक्रियारत सामग्री/मध्यवर्ती/ प्रांसगिक उत्पाद का नाम: -

वर्ष / अवधि के लिए उत्पादन की लागत को दर्शाते हुए विवरणी :

क. परिमाणात्मक सूचनाएँ:

क्रम सं०	विशिष्टियाँ	(ईकाई: एम टी एम)	
		वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1.	(i) लगाई गई क्षमता (ii) पट्टा प्रबंध इत्यादि के द्वारा वर्ष के दौरान बढ़ाई गई क्षमता।		
2.	वास्तविक उत्पादन: (i) स्वम विनिर्मित: 2 (ii) नौकरी कार्य पर तीसरी पार्टी, यदि कोई हो। (iii) ऋण लाईसेंस, यदि कोई हो।		
3.	क्षमता उपयोग		
4.	घरेलू खपत के लिए प्रयोग की गई मात्रा		
5.	स्थानांतरित मात्रा (क) घरेलू बिक्री (ख) निर्यात बिक्री (ग) दूसरी (विनिर्दिष्ट करें)		
6.	प्रारम्भिक स्टॉक (समाप्त हुआ सामान)		
7.	स्टॉक (समाप्त हुआ सामान) (6+2-4-5)		

ख. लागत सूचनाएं:

क्रम सं०	विशिष्टियां	मात्रा ईकाई	दर प्रति ईकाई (रूपये)	राशि (रूपये)	प्रति एम टी लागत	
					वर्तमान वर्ष (रूपये)	गत वर्ष (रूपये)
1.	सामग्री लागत: (मूल्य का 80% कवर करते हुऐ मदानुसार) (क) (ख) (ग) अल्प योग					
2.	प्रक्रियारत सामग्री/ रसायन (विनिर्दिष्ट करें)					
3.	प्रत्यक्ष मजदूरी और वेतन					
4.	उपयोगिताएँ (क) उर्जा (ख) भांप (ग) अन्य (विनिर्दिष्ट) कुल					
5.	खपने वाले सामान एवं अतिरिक्त वस्तुएं					
6.	अवमूल्यन					
7.	पट्टे का भाड़ा (यदि कोई हो)					
8.	मरम्मत एवं रख रखाव (क) भवन निर्माण (ख) संयंत्र एवं मशीनरी (ग) अन्य (यदि कोई हो)					
9.	अन्य ऊपरी कार्य					
10.	कुल ऊपरी कार्य (4 से 9)					
11.	स्वामित्व (रॉयलिटी) (यदि कोई हो)					
12.	तकनीकी सहयोग/मूल्य की जानकारी					
13.	अनुसंधान एवं विकास					
14.	गुणवत्ता नियंत्रण					

15.	प्रशासनिक उपरी व्यय (उत्पादन गतिविधियों के संबंध में) (क) वेतन एवं मजदूरी (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट) (ग) कुल (क+ख)					
16.	कुल (1+2+3+10 से 15)					
17.	मतभेदों का समायोजन (जहाँ मानक लागत प्रणाली का अनुपालन होता है)					
18.	जोड़ - प्रारंभिक माल घटाना - अंतिम माल (कार्य चालू)					
19.	घटाव : उधार (बरबादी एवं उत्पादों द्वारा) / प्राप्तियाँ (यदि कोई हो)					
20.	पैक करने का मूल्य (प्राथमिक पैकिंग) (क) सामान (ख) अन्य (ग) कुल					
21.	उत्पादन का कुल लागत (16 से 20)					
22.	खरीदे गये तैयार सामान (यदि कोई हो तो)					
23.	जोड़ - प्रारंभिक स्टॉक घटाना - अंतिम स्टॉक (तैयार उत्पाद)					
24.	कुल (21 + 22 + 23)					
25.	अंतरित हुए मात्रा एवं लागत के लिए (i) बंदी उपभोग (यदि कोई हो) (ii) निर्देशन पत्र (ग) की बिक्री (iii) अन्य (यदि कोई हो)					

हस्ताक्षर

कंपनी के लागत अभिलेखों का अनुष्ण करने वाले
कार्याधिकारी का नाम और पदनाम

नोट :

1. निर्देशानुसार हरेक प्रकार के भौतिक/माध्यमिक/अंतिम उत्पाद की विधि का अलग निर्देशन पत्र तैयार किया जाएगा ।
2. देश के अंदर बिकने के लिए उत्पादित मात्राओं एवं देश के बाहर बिकने के लिए उत्पादित मात्राओं के लिए अलग-अलग निर्देशन पत्र तैयार किया जाएगा । निर्यात पर उपगत व्यय एवं उससे प्राप्त होने वाली आय को भी निर्यात के लिए उत्पादित मात्रा के लिए लागू होने वाले निर्देशन पत्र में दर्शाया जाएगा ।
3. निर्देशानुसार किसी संबंधित पार्टी या माध्यमिक / अंतिम उत्पादों के अन्तर्ईकाई स्थान्तरण के लिए अलग-अलग निर्देशन पत्र तैयार किया जाएगा । निर्देशानुसार माध्यमिक / अंतिम उत्पादों के स्वतः निर्मित उत्पादन, फुटकार कार्य पर तीसरी पार्टी एवं ऋण प्रमाण पत्र के आधार पर, जैसा लागू हो, अलग अलग निर्देशन पत्र तैयार किए जाएंगे ।
4. उत्पादन लागत में प्रशासनिक उपरिव्यय केवल उत्पादित वस्तुओं को उनकी वर्तमान क्षेत्रस्थिति एवं परिस्थिति में रखने में उनके योगदान की सीमा तक जोड़ा जाएगा । प्रशासनिक उपरिव्यय का भुगतान शेष बेचे गये वस्तुओं के लागत के साथ जोड़ा जाएगा ।
5. निर्देशन पत्र में उपयुक्त परिवर्तन किया सकता है ताकि विनिर्दिष्ट मुख्य बातों के इस प्रकार समाविष्ट किया जाए कि क्रम संख्याएँ निर्देशन पत्र के अनुसार बनी रहे तथा प्रकारों का क्रमांक निर्धारित करते हुए एवं क्रमांक संख्या में अल्फा पात्रों को पहले या बाद में लगाकर भी उसे निर्देशन पत्र में भेजा जा सके ।
6. जो लागू न हो उसे हटा दिया जाए ।

निर्देशन पत्र 'ग'

कंपनी का नाम :

फैक्टरी/ईकाई का नाम एवं पता :

निर्देशानुसार पदार्थ/माध्यमिक/उत्पाद की विधि का नाम

वर्ष /अवधि के लिए बिक्री लागत, बिक्री वसूली एवं अंतर को दर्शाने वाला विवरण

क. मात्रात्मक सूचना

क्रम संख्या	विशेषताएँ	ईकाई : एमटीएस	
		चालु वर्ष	गत वर्ष
1.	निर्देशन पत्र ख से स्थांतरित मात्रा		
2.	आरंभिक स्टाक (तैयार वस्तुएँ)		
3.	अंतिम स्टाक (तैयार वस्तुएँ)		

ख. लागत संबंधित सूचना

क्रम संख्या	विशेषताएँ	मात्रा ईकाई	प्रति ईकाई दर	राशि	प्रति एमटी लागत	
			(रु.)	(रु.)	चालु वर्ष (रु.)	गत वर्ष (रु.)
1.	निर्दर्शन पत्र 'ख' से स्थांतरित मात्रा एवं लागत					
2.	द्वितीयक पैकिंग लागत (क) पदार्थ (ख) अन्य (ग) कुल					
3.	अन्य व्यय (क) प्रशासनिक उपरिव्यय (अन्य) (ख) अन्य (विशिष्ट)					
4.	बिक्री एवं वितरण के व्यय (क) वेतन एवं मजदूरी (ख) भाड़ा एवं परिवहन के भार (ग) बिक्री अभिकर्ताओं का कमीशन (घ) विज्ञापन व्यय					

	(ड.) बिक्री पर रॉयल्टी (यदि कोई हो) (च) अन्य (छ) कुल (क से च तक)					
5.	ब्याज एवं अन्य उधार लागत (क) निर्माण क्रिया कलापों के लिए (ख) अन्य (ग) कुल					
6.	बिक्री की गई पैकेटबंद मात्रा का कुल लागत (उत्पाद शुल्क को हटाकर) (1 से 5)					
7.	बिक्री वसुली घटाना : उत्पाद शुल्क एवं अन्य कानूनी उद्ग्रहणें					
8.	कुल बिक्री वसुली					
9.	अंतर (8 - 6)					
10.	जोड़ना है - निर्यात लाभ एवं प्रोत्साहन (यदि कोई हो)					
11.	कुल अंतर (9 + 10) (निर्यात लाभ को जोड़कर)					
12.	फैक्टरी के बाहर का लागत (बिक्री कर को जोड़कर)					
13.	अधिकतम फुटकर लागत (बिक्री कर को हटाकर)					
14.	अधिकतम फुटकर लागत (यदि कोई हो) सरकार या कानून या विनियमन निकाय आदि द्वारा निर्धारित					

हस्ताक्षर

कंपनी के लागत अभिलेखों का अनुसंधान करने वाले
कार्याधिकारी का नाम और पदनाम

नोट :

1. निर्देशानुसार उत्पादित एवं बेचे गये भौतिक/माध्यमिक/अंतिम उत्पादों के संबंध में अलग-अलग निर्देशन पत्र तैयार किया जाएगा ।
2. देश के अन्तर्गत बेची गयी मात्रा एवं निर्यात की गई मात्रा के लिए अलग-अलग निर्देशन पत्र तैयार किए जाएंगे । निर्यात पर उपगत व्यय एवं उससे प्राप्त होने वाली आय को भी उत्पादित एवं निर्यात की गई मात्रा के लिए लागू होने वाले निर्देशन पत्र में दर्शाया जाएगा ।
3. निर्देशानुसार किसी संबंधित पार्टी या माध्यमिक/अंतिम उत्पादों के अन्तर्द्वितीय स्थांतरण के लिए अलग-अलग निर्देशन पत्र तैयार किया जाएगा । निर्देशानुसार माध्यमिक/अंतिम उत्पादों के स्वतः निर्मित उत्पादन फुटकर कार्य पर तीसरी पार्टी एवं ऋण प्रमाण पत्र के आधार पर, जैसा लागू हो, अलग-अलग निर्देशन पत्र तैयार किए जाएंगे ।
4. उत्पादन लागत में प्रशासनिक उपरिव्यय केवल उत्पादित वस्तुओं के उनकी वर्तमान क्षेत्रस्थिति एवं परिस्थिति में रखने में उनके योगदान की सीमा तक जोड़ा जाएगा । प्रशासनिक उपरिव्यय का भुगतान शेष बेचे गये वस्तुओं की लागत के साथ जोड़ा जाएगा ।
5. निर्देशन पत्र में उपयुक्त परिवर्तन किया जा सकता है ताकि विनिर्दिष्ट मुख्य बातों को इस प्रकार समाविष्ट किया जाए कि क्रमसंख्याएँ निर्देशन पत्र के अनुसार बनी रहे तथा प्रकारों का क्रमांक निर्धारित करते हुए एवं क्रमांक संख्या में अल्फा पात्रों को पहले या बाद में लगाकर भी उसे निर्देशन पत्र में जोड़ा जा सके ।
6. जो लागू न हो उसे हटा दिया जाए ।

निर्देशन पत्र 'घ'

कंपनी का नाम :

नियम 2 के अन्तर्गत उत्पादों एवं अन्य उत्पादों या निश्चित अवधि/वर्ष के लिए क्रिया कलापों के बीच कंपनी के कुल आय एवं व्यय के वितरण या प्रभाजन को प्रदर्शित करने वाला विवरण

क्र.सं.	विशेषताएँ	वित्तीय लेखाओं के लेखा परीक्षण के अनुसार कुल व्यय	अधिनियम 2 के अन्तर्गत आने वाले उत्पादों के लिए लागू शेयर (प्रोडक्ट 1, प्रोडक्ट 2 आदि)	अन्य उत्पाद एवं क्रियाकलापों के लिए लागू शेयर	आवंटन का आधार
1.	कच्चे माल				
2.	भौतिक/रसायनों की विधियाँ				
3.	सीधा वेतन एवं मजदूरी				
4.	उपयोगिताएँ				
5.	उपभाग योग्य भंडार एवं अन्य				
6.	अवमूल्यन				
7.	पट्टे का भाड़ा				
8.	मरम्मत एवं रखरखाव				
9.	अन्य कार्यों के ऊपरिव्यय				
10.	कुल कार्यों के ऊपरिव्यय (4 से 9)				
11.	स्वामित्व (यदि कोई हो)				
12.	तकनीकी सहायता लागत की जानकारी				
13.	अनुसंधान एवं विकास				
14.	गुणवत्ता नियंत्रण				
15.	प्रशासनिक ऊपरिव्यय (उत्पादन के संबंध में) (क) वेतन एवं मजदूरी (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट) (ग) कुल (क + ख)				
16.	कुल (1+2+3+10 से 15)				
17.	स्टाक का समायोजन (कार्य प्रगति में)				
18.	घटना : उधार (बरबादी एवं उत्पादों से) प्राप्ति (यदि कोई हो)				
19.	उत्पाद की लागत (16 से 18)				

20.	स्टाक का समायोजन (अंतिम उत्पाद)				
21.	बिना पैकेट के अंतिम सामानों के उत्पादन की शुद्ध लागत (19+20)				
22.	घटाना : बंदी उपभोग				
23.	बिक्री के लिए प्रस्तुत पदार्थों का शुद्ध लागत (21-22)				
24.	पैक करने का व्यय				
25.	अन्य व्यय (क) प्रशासनिक उपरिव्यय (अन्य) (ख) अन्य (विनिर्दिष्ट)				
26.	विक्रय एवं वितरण व्यय (क) वेतन एवं मजदूरी (ख) भाड़ा एवं परिवहन के भार (ग) बिक्री अभिकर्ताओं के कमीशन (घ) विज्ञापन के खर्च (ङ) बिक्री पर स्वामित्व (यदि कोई हो) (च) अन्य (छ) कुल (क से च तक)				
27.	ब्याज एवं अन्य उधार लागत				
28.	उत्पाद कर को छोड़कर बिक्री की कुल लागत (23 से 27)				
29.	उत्पाद कर को छोड़कर कुल बिक्री वसूली				
30.	अंतर (29-28)				
31.	जोड़ना : निर्यात के लाभ एवं प्रोत्साहन राशि (यदि कोई हो)				
32.	कुल अंतर (30+31)				
33.	लागत में नहीं जुटा कोई अन्य खर्च				
34.	लागत में विचार नहीं की गई कोई अन्य आय				
35.	वित्तीय लेखा के अनुसार अंतर				

हस्ताक्षर

कंपनी के लागत अभिलेखों का अनुस्क्षण करने वाले
कार्याधिकारी का नाम और पदनाम

नोट -

1. उपर निर्दिष्ट किए गये उत्पाद 1, उत्पाद 2 आदि केवल निदर्शी हैं ।
2. इस निर्देशन पत्र में दिए गये आय एवं व्यय के सभी प्रकार संबंधित अवधि के लिए वित्तीय लेखा के साथ समन्वित होंगे ।
3. उत्पादन लागत में प्रशासनिक उपरिव्यय केवल उत्पादित वस्तुओं को उनकी वर्तमान क्षेत्रस्थिति एवं परिस्थिति में रखने में उनके योगदान की सीमा तक जोड़ा जाएगा । प्रशासनिक उपरिव्यय का भुगतान शेष बेचे गये वस्तुओं की लागत के साथ जोड़ा जाएगा ।
4. निर्देशन पत्र में उपयुक्त परिवर्तन किया जा सकता है ताकि विनिर्दिष्ट मुख्य बातों को इस प्रकार समाविष्ट किया जाए कि क्रमसंख्याएँ निर्देशन पत्र के अनुसार बनी रहें तथा प्रकारों का क्रमांक निर्धारित करते हुए एवं क्रमांक संख्या में अल्फा पात्रों को पहले या बाद में लगाकर भी उसे निर्देशन पत्र में जोड़ा जा सके ।
5. जो लागु न हो उसे हटा दिया जाए ।

[फा. सं. 52/15/सीएबी-2002]

ए. के. कपूर, सलाहकार (लागत)

नोट :— 1 लागत लेखा अभिलेख (काँस्टिक सोडा) नियम 1967, जी एस आर 1261 दिनांक 11 अगस्त 1967, देखकर प्रकाशित किए गये थे एवं तत्पश्चात् उसमें संशोधन किया गया -

- (i) जीएसआर 85, दिनांक 4 जनवरी 1968 ;
- (ii) जीएसआर 773, दिनांक 3 जून 1977 ;
- (iii) जीएसआर 17, दिनांक 5 जनवरी 1983 ;
- (iv) जीएसआर 540, दिनांक 22 जूलाई 1989 ;
- (v) जीएसआर 300(ई), दिनांक 24 मार्च 1993 ;
- (vi) जीएसआर 327(ई), दिनांक 3 जून 1998 ;
- (vii) जीएसआर 427(ई), दिनांक 3 अगस्त, 1998 ;
- (viii) जीएसआर 711(ई), दिनांक 28 सितम्बर 2001

2. लागत लेखा अभिलेख (सोडा एश) नियम 1976, एस.ओ. 1720, दिनांक 29 मई 1976, प्रकाशित किया गया था एवं तत्पश्चात् उसमें संशोधन किया गया ।

- (i) जीएसआर 790, दिनांक 3 जून 1977 ;
- (ii) जीएसआर 36, दिनांक 5 जनवरी, 1983 ;
- (iii) जीएसआर 559, दिनांक 22 जुलाई 1989 ;
- (iv) जीएसआर 319(ई), दिनांक 24 मार्च 1993 ;
- (v) जीएसआर 443(ई), दिनांक 3 अगस्त 1998 ;
- (vi) जीएसआर 725(ई), दिनांक 28 सितम्बर 2001

3. लागत लेखा अभिलेख (सल्फ्यूरिक एसिड) नियम, 1980, जीएसआर 395(ई) दिनांक 4 जुलाई 1980 के अनुसार प्रकाशित किया गया था एवं तत्पश्चात् उसमें संशोधन किया गया ।

- (i) जीएसआर 41, दिनांक 5 जनवरी 1983 ;
- (ii) जीएसआर 564, दिनांक 22 जुलाई 1989 ;
- (iii) जीएसआर 324(ई), दिनांक 24 मार्च 1993 ;
- (iv) जीएसआर 448(ई), दिनांक 3 अगस्त 1998 ;
- (v) जीएसआर 730(ई), दिनांक 28 सितम्बर 2001 ;

4. लागत लेखा अभिलेख (रसायनिक उद्योग) नियम 1987 जीएसआर 596 के अनुसार प्रकाशित किया गया था एवं तत्पश्चात् इसमें संशोधन किया गया -

- (i) जीएसआर 732, दिनांक 4 अगस्त 1988 ;
- (ii) जीएसआर 570, दिनांक 22 जुलाई 1989 ;
- (iii) जीएसआर 34(ई), दिनांक 3 जनवरी, 1992 ;
- (iv) जीएसआर 330(ई), दिनांक 24 जनवरी 1993 ;
- (v) जीएसआर 454(ई), दिनांक 3 अगस्त, 1998 ;
- (vi) जीएसआर 278(ई), दिनांक 24 अप्रैल, 2001 ;
- (vii) जीएसआर 735(ई), दिनांक 28 सितम्बर 2001 ;

MINISTRY OF COMPANY AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd September, 2004

G.S.R. 562(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section ~~642~~, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), and in supersession of the Cost Accounting Records (Caustic Soda) Rules, 1967, Cost Accounting Records (Soda Ash) Rules, 1976, Cost Accounting Records (Sulphuric Acid) Rules, 1980 and Cost Accounting Records (Chemical Industries) Rules, 1987, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

- (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Chemical Industry) Rules, 2004.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application. - These rules shall apply to every company engaged in the production, processing or manufacture of products as specified in the Appendix to these rules :

Provided that these rules shall not apply to a company, -

- (a) wherein, the aggregate value of machinery and plant installed as on the last date of the preceding financial year, does not exceed the limit as specified for a small scale industrial undertaking under the provisions of Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951); and
- (b) the aggregate value of the turnover made by the company from sale or supply of all its products or activities during the preceding financial year does not exceed ten crores of rupees.

3. Maintenance of records. - (1) Every company to which these rules apply shall, in respect of each of its financial year commencing on or after the commencement of these rules, keep proper books of accounts relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to any of the products referred to in rule 2. The books of account, so maintained, shall contain, *inter-alia*, the particulars specified in the Schedule annexed to these rules and proformae A, B, C and D prescribed in the said Schedule:

Provided that if the said company is manufacturing any other product(s) or is engaged in other activities in addition to product(s) referred to in rule 2, the particulars relating to utilisation of materials, labour and other items of cost in so

far as they are applicable to such other products or activities shall not be included in the cost of the products referred to in rule 2.

(2) The books of accounts referred to in sub-rule (1) shall be kept on a regular basis in such a manner as to make it possible to calculate per unit cost of production and cost of sales of each product referred to in rule 2 for every financial year from the particulars entered therein. Every such book of account and the proformae prescribed in the said Schedule, shall be completed not later than ninety days from the close of the financial year of the company to which it relates.

(3) The statistical and other records shall be maintained in accordance with the provisions of the Schedule annexed to these rules and in line with Cost Accounting Standards issued by the Institute of Cost and Works Accountants of India, in so far as they are applicable, in such a manner as to enable the company to exercise, as far as possible, control over the various operations and costs with a view to achieve optimum economies in utilization of resources. These records shall also provide the necessary data which may be required to be furnished under Cost Audit Report Rules, 2001 as prescribed under section 233B of the Companies Act, 1956 and amended from time to time.

(4) It shall be the duty of every person, referred to in sub-section (6) and (7) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), to take all reasonable steps to secure compliance by the company with the provisions of sub-rules (1), (2) and (3) of this rule in the same manner as he is liable to maintain accounts required under sub-section (1) of section 209 of the said Act.

4. **Penalty.** – If a company contravenes the provisions of rule 3, the company and every officer thereof who is in default, including the persons referred to in sub-rule (4) of rule 3 shall, be punishable as provided under sub-section (2) of section 642 read with sub-sections (5) and (7) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

5. **Saving.** - (1) The supersession of the Cost Accounting Records (Caustic Soda) Rules, 1967, Cost Accounting Records (Soda Ash) Rules, 1976, Cost Accounting Records (Sulphuric Acid) Rules, 1980 and Cost Accounting Records (Chemical Industries) Rules, 1987, shall not in any way affect –

- a) any right, obligation or liability acquired, accrued or incurred thereunder ;
- b) any penalty, forfeiture or punishment incurred in respect of any contravention committed thereunder ;
- c) any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid, and; any such investigation, legal proceeding or remedy may be instituted, continued or enforced and any such penalty, forfeiture or punishment may be imposed as if those rules had not been superseded.

(2) Companies required to maintain records under Cost Accounting Records (Caustic Soda) Rules, 1967, Cost Accounting Records (Soda Ash) Rules, 1976, Cost Accounting Records (Sulphuric Acid) Rules, 1980 and Cost Accounting Records (Chemical Industries) Rules, 1987, shall continue to do

the same under the respective rules till the Cost Accounting Records (Chemical Industry) Rules, 2004 become applicable to them.

APPENDIX
(See rule 2)

List of products for which the rules shall apply:

01. Acetic Acid
02. Acetic Anhydride
03. Acetone
04. Aluminium Fluoride
05. Aniline
06. Benzene
07. Boric Acid
08. Butadiene
09. Butanol
10. Calcium Carbide
11. Carbon Black
12. Caustic Soda
13. Chloro Methanes
14. Diacetone Alcohol
15. Diethylene Glycol
16. 2-Ethyl Hexanol
17. Ethylene
18. Ethylene Dichloride
19. Ethylene Glycol
20. Ethylene Oxide
21. Formaldehyde
22. Isopropanol
23. Linear Alkyl Benzene
24. Maleic Anhydride
25. Methanol
26. Methyl Ethyl Ketone
27. Methyl Isobutyl Ketone (MIBK)
28. Nitrobenzene
29. Ortho Nitro Chloro Benzene
30. Para Nitro Chloro Benzene
31. Penta Eritrithol
32. Phenol
33. Polyethylenes viz. LDPE, HDPE, LLDPE
34. Polypropylene
35. Polyethylene Glycol
36. Propylene
37. Soda Ash
38. Sodium Tripoly Phosphate
39. Sulphuric Acid
40. Resins (excluding natural resins), Paints, Varnishes and Plastics
41. Synthetic Rubber
42. Titanium Dioxide

43. Toluene

44. Xylenes

SCHEDULE

(See rule 3)

1. MATERIALS

(1) Proper records shall be maintained showing separately all receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of raw material (including all direct charges upto the works) required for the production, processing or manufacturing of products under reference. The basis on which quantities, costs of issue and consumption are calculated, shall be indicated in the cost records and followed consistently. In the case of imported raw materials, proper records shall be maintained showing quantity of imported material, Free On Board value, overseas freight, insurance, customs duty and inland freight charges along with license-wise quantities allowed, actual quantities imported, actual quantities consumed, quantities in stock and quantities yet to be imported out of total licensed quantities. If both indigenous and imported materials are consumed, the records showing details of percentage mix of the same, have to be maintained for each item.

(2) The proper records shall be maintained separately showing the receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of intermediate, process material and catalyst used in the manufacture of the products under reference. The cost shall include all direct charges upto works. In case of catalyst, proper records shall be maintained for the value and quantity issued in a financial year suitably adjusted for consumption. If the life of the catalyst is more than one financial year, necessary adjustment should be made. If the life of the catalyst is not known, consumption may be assessed on technical basis.

(3) Where the company produces these raw materials, intermediates or process materials, separate records showing the cost of production of such items, shall be maintained in proforma 'B'. The basis on which quantities and cost of issues and consumption of such materials produced or processed by the company are calculated, shall be indicated in the cost records and followed consistently.

(4) The issues, consumption of all raw materials, intermediates, process materials and catalysts shall be identified with the product process-wise.

(5) The proper records shall be maintained indicating the quantity as well as value of recoveries in different processes having significant value in relation to cost of material. In case the recoveries are not reused in the process and are sold or disposed of without further processing, the realisation from such sales shall be recorded and adjusted against the process concerned. In case further processing is necessary to make the recoveries usable or saleable, as the case may be, proper records of the cost involved for such further processing shall be maintained. If such processing is done by any outside agency, proper records to show the quantity sent for processing, quantity received back after processing and cost incurred thereon shall be maintained. The net realization, if any, shall be adjusted against the major process relating

to such recoveries. The cost of recoveries shall be determined on equitable and reasonable basis and applied consistently. The records indicating the actual sales realization of recoveries shall also be maintained.

(6) The proper records shall be maintained to show the receipts, issues and balances, both in quantities and cost of each item of consumable stores, other process materials not covered by sub-rule (2), small tools and machinery spares, indirect materials etc. The cost shall include all direct charges upto works.

(7) The cost of consumable stores, small tools and machinery spares shall be charged to the relevant cost center or department or product process on the basis of actual issues. In the case of consumable stores and small tools, the cost of which are insignificant, the company may, if it so desires, maintain such records for the group of such consumable stores and tools.

(8) The proper records shall be maintained showing the quantity and value of wastage, spoilage, rejections and losses of raw materials, intermediates, process materials, consumable stores, small tools and machinery spares, whether in transit, storage, manufacture or at any other stage. The method followed for adjusting the above losses as well as the income derived from the disposal of rejected and waste materials including spoilage, if any, in determining the cost of product, shall be indicated in the cost records. Any abnormal wastage or spoilage or rejection or losses shall be indicated distinctly and separately along with reasons thereof.

(9) The proper records shall also be maintained to indicate the value of raw materials, intermediates and process materials, finished and semi-finished, consumable stores, small tools and machinery spares, which have not moved for more than twelve months.

(10) Where any credit under Central Value Added Tax (CENVAT) under the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) or any other benefits of the nature of CENVAT credit, are available on any item of material, the cost of such material shall be shown after adjusting such credit or benefits.

(11) If any of the input materials is processed through an outside party, proper records shall be maintained for the quantity sent for processing, quantity received after processing, balance quantity of material, losses and wastage of material during processing, by-products recovered, if any, and the cost involved in processing.

2. SALARIES AND WAGES

(1) The proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees assigned to the cost centres or departments and the work on which they are employed. The records shall also indicate the following separately for each cost centre or department:

(a) piece rate wages (wherever applicable);

- (b) incentive wages, either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output;
- (c) overtime wages;
- (d) earnings of casual or contractual labour;
- (e) bonus or gratuity, statutory as well as other;
- (f) contribution to superannuating scheme;
- (g) any other earnings of the nature specified in (a) to (f) above.

(2) The records shall be maintained in such a manner as to enable the company to book these expenses cost centrewise or departmentwise with reference to products under reference and to furnish necessary particulars under this head in Proformae A, B, C and D of Schedule annexed to these rules. Where the employees work in such a manner that it is not possible to identify them with any specific cost centre or department, the employees cost shall be apportioned to the cost centres or departments on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(3) The idle labour cost shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefor. The method followed for accounting of idle time payments shall be disclosed in the cost records.

(4) Any wages and salaries allocable to capital works, such as, additions to plant and machinery, buildings or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads. Similarly, payments in the nature of deferred revenue expenditure shall be separately recorded under separate classified headings indicating the reasons therefor. The method followed for accounting of such payments in determining the cost of the product(s) under reference shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently. The said method shall be disclosed in the cost records also.

(5) The cost of normal retirement benefits payable to employees shall be recorded separately and charged to cost. The method followed for accounting of such costs in determining the cost of the products under reference shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently and disclosed separately. Termination benefits which are payable in addition to the normal retirement benefits, such as benefits under voluntary retirement scheme, shall be treated as abnormal and shall not form part of salaries and wages and cost of production.

3. UTILITIES

(1) The proper records shall be maintained showing the quantity and cost of each major utility such as power, water, steam, effluent treatment, etc. produced and consumed by the different cost centres in such detail as to enable the company to furnish the particulars for each utility separately in proforma 'A' of the Schedule.

(2) If a utility is purchased, proper records showing the delivered cost including all direct charges upto the works shall be maintained for the quantity and value of each utility purchased.

(3) Where a utility is produced and supplied by any other unit of the company, proper records shall be maintained to assess cost and the quantity of the utility so supplied.

(4) The cost of utility, if any, supplied to any other unit(s) of the company, shall be calculated on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(5) The cost of utility allocated/apportioned to the cost centers and further to the individual products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(6) Where direct power is one of the major inputs to electrolyse the raw material used in production or manufacture of any of the product under reference, such direct power shall be included in the cost of such raw material and shown accordingly.

(7) The records shall also indicate the measures taken on conservation of energy and its corresponding impact on per unit cost of production.

4. SERVICE DEPARTMENT EXPENSES

The proper records shall be maintained to indicate expenses incurred in respect of each service department or cost centre like laboratory, welfare, transport etc. These expenses shall be apportioned to other services and production departments on equitable and reasonable basis and applied consistently. Where these services are utilized for other products of the company also, the basis of apportionment of such expenses to products under reference and to the other products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently. The said basis shall be disclosed in the cost records also.

5. REPAIRS AND MAINTENANCE

(1) The proper records showing the expenditure incurred by the workshop, tool room and on repairs and maintenance in the various cost centres or departments shall be maintained under different heads. The records shall also indicate the basis of charging such expenses to different cost centres or departments. Where maintenance work is done by direct workers of any production cost centre or department, the wages and salaries of such workers shall be treated as direct expenses of the respective cost centre or department. If the services are utilized for products other than referred to in rule 2, the manner of charging a share of the cost of workshop, tool room and repairs and maintenance expenses to such products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

(2) In addition to the above, records shall indicate the amount and also the proportion of closing inventory of stores and spare parts representing items which have not moved for over twenty four months.

(3) The expenditure on major repair works from which benefit is likely to accrue for more than one financial year shall be shown separately and absorbed in the cost over the period for which such benefits are expected to accrue on

equitable and reasonable basis and applied consistently. Method of accounting along with the basis of allocation of such costs shall also be clearly indicated in cost records.

6. FIXED ASSETS, DEPRECIATION AND LEASE CHARGES

(1) The proper and adequate records shall be maintained for assets used for production, processing or manufacturing of the products under reference in respect of which depreciation has to be provided for. These records shall, inter-alia, indicate grouping of assets under each product referred under rule 2, the cost of acquisition of each item of asset including installation charges, date of acquisition and rate of depreciation.

(2) Those records which enable to identify and/or allocate gross fixed assets, accumulated depreciation up to the year and net fixed assets under the heads; land and building, plant and machinery, furniture and fixtures etc. employed for products under reference shall be maintained. The basis of apportionment of common assets to the products under reference shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently. In case of revaluation of assets, the same shall be indicated separately and depreciation on revaluation shall not be included in the cost statement.

(3) The basis on which depreciation is calculated and allocated or apportioned to various cost centres or departments and absorbed on all products shall be clearly indicated in the cost records. If depreciation charged or chargeable to the cost centres or departments is in excess or lower than the depreciation calculated by applying the rates of depreciation prescribed under the provisions of sub-section (2) of Section 205 of the Companies Act, 1956, such amount of excess or lower depreciation shall be indicated clearly in the cost records. The cost records shall also show the effect of such excess or lower depreciation, as the case may be, on the per unit cost of each product. The cumulative depreciation charged in the cost records, against any individual item of asset shall not, however, exceed the original cost of the respective asset.

(4) The proper records shall be maintained giving details of assets taken or given on lease. The break-up of lease rental in terms of financial charges, depreciation etc. paid or received shall be maintained separately. The details shall be maintained separately for assets taken from or given to related party.

7. OVERHEADS

(1) The proper records shall be maintained for the various items of indirect expenses comprising overheads pertaining to products under reference. These expenses shall be analyzed, classified and grouped according to functions, namely, works, administration, selling and distribution as per normally accepted cost accounting principles and practices.

(2) Where the company is manufacturing products other than the products under reference, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of the common overheads including head office expenses of the company to

such other products and the products under reference, including capital works. Where certain expenses forming part of overheads can be identified with a particular product, such expenses shall be first segregated and charged to the relevant product in the first instance and thereafter the residual expenses under the above categories of overheads shall be apportioned on equitable and reasonable basis and applied consistently. The overheads chargeable to capital works shall be indicated separately in the cost records. The basis of apportionment or absorption of overheads to the cost centres or departments and the products shall be indicated in the cost records. The records shall be maintained in such a manner as to indicate the details of works, administration, selling and distribution overheads.

8. ROYALTY AND TECHNICAL KNOW-HOW FEE

The adequate records shall be maintained showing royalty and/or technical know-how fee including other recurring or non-recurring payments of similar nature, if any, made for the products under reference to collaborators or technology suppliers in terms of agreements entered into with them. Such records shall be kept separately in respect of each such agreement or arrangement. The basis of charging such amount, including lump sum payment and its treatment shall be indicated in the cost records.

9. RESEARCH AND DEVELOPMENT EXPENSES

(1) The proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company for the research and development work on the products covered under these rules, according to the nature of development of products i.e. existing or new products and processes, development of process of manufacture - existing and new, design and development of new plant facilities and market research for the existing and new products, shall be maintained separately. The records shall also indicate the payments made to outside parties for the research and development work. The basis of charging such amount, including lump sum payment and its treatment shall be indicated in the cost records.

(2) The basis of charging these expenses to the cost of production under reference and to other products shall be indicated in the cost records. Where the utility of research and development work extends to over more than one financial year, such expenses shall be charged to the cost of products under reference and to all other products on equitable and reasonable basis and applied consistently indicating the criteria on the basis of which it has been decided to extend the utility period of these expenses to more than one financial year.

(3) The expenses incurred by the research and development department for providing technical know-how to outsiders shall be recorded separately and excluded from the cost of products under reference. The amount recovered for providing technical know-how to outsiders shall also be indicated separately and excluded from the income arising from the sale of products under reference.

10. QUALITY CONTROL

The adequate records shall be maintained to indicate the expenses incurred in respect of quality control department or cost centre for products under reference. Where these services are also utilized for other products of the company, the basis of apportionment to products under reference and to other products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

11. ADJUSTMENT OF COST VARIANCES

Where the company maintains cost records on any basis other than actual such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of the product under such system. The cost variances shall be shown against the separate heads and analyzed into material, labour, overheads and further segregated into quantity, price and efficiency variances. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the products shall be indicated clearly in the cost records. The reasons for the variances shall be duly explained in the cost records and statements.

12. WORK-IN-PROGRESS AND FINISHED STOCK

The method followed for determining the cost of work-in-progress and finished stock of the products under reference shall be appropriate and shall be indicated in the cost records so as to reveal the cost element that have been taken into account in such computation. All conversion costs incurred in bringing the inventories to their present location and condition shall be taken into account while computing the cost of work-in-progress and finished stock. The method adopted for determining the cost of work-in-progress and finished goods shall be followed consistently.

13. CAPTIVE CONSUMPTION

If the products under reference are used for captive consumption, proper records shall be maintained showing the quantity and cost of each such product transferred to other departments or work centres or units of the company for self-consumption and sold to outside parties separately. The rates at which the transfers are effected shall be at cost of production as per normally accepted cost accounting principles and practices of working out such cost of production.

14. BY-PRODUCTS

Proper Records shall be maintained for each item of by-product, if any, produced showing the receipt, issues and balances, both in quantity and value. The basis adopted for valuation of by-product for giving credit to the respective process shall be equitable and consistent and should be indicated in cost records. Records showing the expenses incurred on further processing, if any, as well as actual sales realization of by-product shall be maintained.

15. JOINT PRODUCTS

Where more than one product which is of equal economic importance arises from a process, the cost up to the point of separation of products shall be apportioned to joint products on reasonable and equitable basis and shall be applied consistently. The basis on which such joint costs are apportioned to different products arising from the process shall be indicated in the cost records.

16. PACKING EXPENSES

The proper records shall be maintained separately for domestic and export packing showing the quantity and cost of various packing materials and other expenses incurred on primary and/or secondary packing. Where such expenses are incurred in common for other products also, the basis of apportioning the expenses between the relevant products shall be on equitable and reasonable basis and applied consistently.

17. INTEREST AND OTHER BORROWING COSTS

(1) The proper records shall be maintained for money borrowed for each project and/or working capital and interest charged thereon. The amount of interest and other borrowing costs shall be allocated or apportioned to the products under reference and other products or activities on equitable and reasonable basis and applied consistently. The basis of further charging of the share of interest to the various types of such products shall also be equitable and reasonable and applied consistently. The basis of such allocation or apportionment shall be spelt out clearly in the cost records or statements.

(2) Net interest and other borrowing costs incurred for project under execution shall be capitalized for the period up to the date the project is ready to commence commercial activities. However, capitalization of borrowing costs should be suspended during extended periods in which active development is interrupted.

18. EXPENSES OR INCENTIVES ON EXPORTS

(1) The proper records showing the expenses incurred on the export sales, if any, of the products under reference shall be separately maintained so that the cost of export sales can be determined correctly. Separate cost statements shall be prepared for products exported giving details of export expenses incurred or incentive earned.

(2) The proper records shall be maintained giving the details of export commitments license wise and the fulfillment of these commitments giving the reasons for non-compliance, if any. In case, duty free imports are made, the cost statements should reflect this fact. If the duty free imports have been made after actual production, the statement should reflect this fact also.

19. COST STATEMENTS

1. The cost statement showing details of installed capacity, production, wastage, issues and sales and all elements of cost of the current financial year and previous year shall be prepared for each process adopted in the production of products under reference in proformae A, B, C and D.
2. The product emerging from a process, which forms raw material or an input material for a subsequent process, shall be valued at the cost of production up to the previous stage.
3. If the company is operating more than one plant or factory, separate cost statements as specified above shall be prepared in respect of each plant or factory.

20. RECONCILIATION OF COST AND FINANCIAL ACCOUNTS

(1) The cost statements shall be reconciled with the financial statements for the financial year specifically indicating the expenses or incomes not considered in the cost records or statements so as to ensure accuracy and to adjust the profit of the products under reference with the overall profit of the company. The variations, if any, shall be clearly indicated and explained.

(2) A statement showing the total expenses incurred and income received by the company under different heads of accounts and the share applicable to other products or activities and the products under reference shall be prepared and reconciled with the financial statement.

21. PRODUCTION AND SALES RECORDS

Quantitative records of all finished goods whether packed or unpacked, showing production, issues for sales and balances of different type of the product packs under reference, shall be maintained. The quantitative details of production shall be maintained separately for self manufactured, third party on job work, loan license basis etc. Separate details of sales shall be maintained for domestic sales at control price, domestic sales at market price, export sales under advance license, export sales under other obligations, export sales at market price, and sales to related party/inter unit transfer.

22. POLLUTION CONTROL

Expenditure incurred by the company on various measures to protect the environment like effluent treatment, control of pollution of air, water, etc., should be properly recorded.

23. HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT

Expenditure incurred by the company on the human resources development such as training of staff, workshop and seminars, health and safety education activities, shall be recorded separately.

24. STATISTICAL RECORDS

(1) The records regarding available machine hours or direct labour hours in different production departments and actually utilized shall be maintained for production of products under reference and shortfall suitably analyzed. Suitable records for computation of idle time of machines and/or labour shall also be maintained and analyzed.

(2) The proper records shall be maintained to enable the company to identify the capital employed, net fixed assets and working capital separately for the production of products under reference and other products or activities to the extent such elements are separately identifiable. Non-identifiable items shall be allocated on a suitable and reasonable basis to different products and activities. Fresh investments on fixed assets for production of products under reference that have not contributed to the production during the relevant period/year shall be indicated in the cost records. The records shall, in addition, show assets added as replacement and those added for increasing existing capacity.

(3) Whenever WTO provisions are attracted, proper records shall be maintained to identify the competitiveness of the products under reference in the domestic as well as global market. Adequate statistical records shall also be maintained to identify the market share of the products manufactured and the likely impact thereon on account of competitive goods imported in to the country.

(4) In case of new major projects for product or activity referred to under rule 2, proper records shall be maintained indicating the funds raised from different sources, their utilization, stage-wise cost incurred and progress of the project as per the project report. Cost and time over run shall also be analysed with reference to the cost of services or activity and its impact on the profitability of the company.

25. RECORDS OF PHYSICAL VERIFICATION

Records of physical verification may be maintained in respect of all items held in the stock such as raw-materials, process materials, packing materials, consumables stores, machinery spares, chemicals, fuels, finished goods and fixed assets. Reasons for shortages/surplus arising out of such verifications and the method followed for adjusting the same in the cost of the products shall be indicated in the records.

26. RELATED PARTY TRANSACTIONS

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to a company termed "related party relationship" as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of -

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;

- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery; and
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference.

(2) These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(3) The transactions by the following "related party relationships" shall be covered under sub-rule (1) :

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

(4) However, the following shall not be deemed as "related party relationships":-

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process) -
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation: -For the purpose of these rules, -

- (a) "related party relationships" means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) "related party transaction" means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) "control" means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise;
- (d) "significant influence" means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) "an Associate" means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) "a joint venture" means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic product, which is subject to joint control;
- (g) "joint control" means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic product so as to obtain benefits from it;
- (h) "key management personnel" means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) "relative" in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) "holding company" means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956(1 of 1956);
- (k) "subsidiary" means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956(1 of 1956);
- (l) "fellow subsidiary" means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;

- (m) "state-controlled enterprise" means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.

PROFORMA 'A'

Name of the company :

Name and address of the factory/unit :

Statement showing the cost of Utilities like Power, Steam, Water, etc., produced and consumed and effluent treatment during the year/period :

A. Quantitative Information:

Serial Number	Particulars	Current Year (unit)	Previous Year (unit)
1.	Installed capacity		
2.	Quantity produced		
3.	Capacity utilization		
4.	Quantity re-circulated		
5.	Quantity purchased, if any		
6.	Self-consumption including losses (to be specified)		
7.	Net units available		

B. Cost Information :

Serial Number	Particulars	Quantity	Rate per unit (Rupees)	Amount (Rupees)	Cost per Unit (Rupees)	
					Current Year	Previous Year
A 1.	Materials (specify) (a) (b) (c)					
2.	Process materials/ Chemicals					
3	Direct wages and salaries					
4.	Utilities (specify) (a) (b) (c)					
5.	Other direct expenses, if any					
6.	Consumable stores and spares					
7.	Repairs and maintenance					

8.	Depreciation					
9.	Lease rent, if any					
10.	Other works overhead					
11.	Sub-total (1 to 10)					
12.	Less: Credit, if any					
13.	Total cost (11-12)					
B.	Apportioned to cost centre or product :					
	1.					
	2.					
	3.					
	4.					
	n.					

Signature

Name and designation of the officer-in-charge of
maintaining cost records of the company

Notes:

1. Separate cost sheet is to be prepared for each major utility having significant impact on cost, whenever such utility is functionally independent and not forming part of composite unit.
2. If any of the utilities, which are manufactured by the company, is sold to outside parties, the cost of sales and sales realisation shall be worked out in detail as illustrated in Proforma 'C' relating to cost of sales.
3. The proforma may be suitably modified to cover the specific features in such a way that serial numbers are maintained as per proforma with addition of items numbering them by prefixing/ suffixing alpha characters to the serial numbers.
4. Delete items not applicable.

Proforma 'B'

Name of the company :

Name and address of the factory/unit :

Name of the Process material/Intermediate/Product under reference:

Statement showing the cost of production for the year/period :

A. Quantitative Information:

Serial number	Particulars	(unit : MTs)	
		Current Year	Previous Year
1.	(i) Installed capacity (ii) Capacity enhanced during the year by leasing arrangement etc.		

2.	Actual production : (i) self manufactured (ii) third parties on job work, if any (iii) loan license, if any		
3.	Capacity utilization		
4.	Quantity used for captive consumption		
5.	Quantity transferred for : (a) domestic sale (b) export sale (c) others (specify)		
6.	Opening stock (finished goods)		
7.	Closing stock (finished goods) (6+2-4-5)		

B. Cost Information:

Serial number	Particulars	Quantity unit	Rate per unit	Amount	Cost Per MT	
			Rupees	(Rupees)	Current Year (Rupees)	Previous Year (Rupees)
1.	Material cost : (itemwise covering 80% of value) (a) (b) (c) Sub total					
2.	Process materials/chemicals (Specify)					
3.	Direct wages and salaries					
4.	Utilities (a) Power (b) Steam (c) Others (specify) Sub total					
5.	Consumable stores and spares					
6.	Depreciation					
7.	Lease rent, if any					
8.	Repairs and maintenance: (a) Building (b) Plant and Machinery (c) Others, if any					
9.	Other works overhead					
10.	Total works overheads (4 to 9)					
11.	Royalty, if any					
12.	Technical assistance/ know-how fee					
13.	Research and development					
14.	Quality control					
15.	Administrative overhead (relating to production activities)					

	(a) salaries and wages (b) others (specify) (c) Sub total (a+b)					
16.	Total (1+2+3+10 to 15)					
17.	Adjustment for variances (where standard costing system is followed)					
18.	Add: Opening stock Less: Closing stock (Work-in-progress)					
19.	Less: Credits (from wastage and by-products) /Recoveries, if any					
20.	Packing cost (primary packing) (a) materials (b) others (c) Sub total					
21.	Total cost of production(16 to 20)					
22.	Finished goods purchased , if any					
23.	Add: Opening stock Less: Closing stock (Finished products)					
24.	Total (21+22+23)					
25.	Quantity and cost transferred for : (i) captive consumption, if any (ii) sales to Proforma 'C' (iii) others, if any					

Signature

Name and designation of the officer-in-charge of
maintaining cost records of the company

Notes :

1. Separate proforma shall be prepared for each type of process material/intermediate/final product under reference produced.
2. Separate proforma shall be prepared for the quantity produced for sale within the country and the quantity produced for export sale. Expenses incurred on export and the incentive earned thereon shall be indicated in the proforma applicable for the quantity produced for export.
3. Separate proforma shall be prepared for any related party/inter-unit transfer of intermediate/finished product(s) under reference. Separate proforma shall also be prepared for production on self manufactured, third party on Job work and loan license basis, as may be applicable, of intermediate/finished product(s) under reference.
4. The administrative overheads shall be included in the cost of production only to the extent they contribute in putting the goods produced to their present

location and condition. The balance of administrative overheads, if any, shall be included in the cost of goods sold.

5. The proforma may be suitably modified to cover the specific features in such a way that serial numbers are maintained as per proforma with addition of items numbering them by prefixing/ suffixing alpha characters to the serial numbers.

6. Delete items not applicable.

Proforma 'C'

Name of the company :

Name and address of the factory/unit :

Name of the process material/ intermediate/ product under reference :

Statement showing the **cost of sales, sales realisation and margin** for the year/ period for :

A. Quantitative Information:

Serial Number	Particulars	Unit : MTs	
		Current Year	Previous Year
1.	Quantity transferred from Proforma 'B'		
2.	Opening Stock (finished goods)		
3.	Closing Stock (finished goods)		

B. Cost Information:

Serial Number	Particulars	Quantity unit	Rate per unit	Amount	Cost per MT	
			(Rs.)	(Rs.)	Current Year (Rs.)	Previous Year (Rs.)
1.	Quantity and cost transferred from Proforma 'B'					
2.	Packing cost secondary (a) Materials (b) Others (c) Sub total					
3.	Other expenses : (a) Administrative overheads (others) (b) Others (specify)					
4.	Selling and distribution expenses : (a) Salaries and wages (b) Freight and transport charges (c) Commission to selling agents (d) Advertisement expenses (e) Royalty on sales, if any (f) Others (g) Sub total (a to f)					
5.	Interest and other borrowing costs :					

	(a) for manufacturing activity (b) others (c) total					
6	Total cost of sales (excluding excise duty) of packed quantity sold (1 to 5)					
7	Sales realisation Less: Excise duty and other statutory levies					
8	Net sales realization					
9	Margin (8-6)					
10	Add: export benefits and incentives, if any					
11	Total margin (9+10) (including export benefits)					
12	Ex-factory price (excluding sales tax etc.)					
13	Maximum retail price (excluding sales tax etc.)					
14	Maximum retail price, if any, prescribed by the Government or statutory or regulatory body etc.					

Signature

Name and designation of the officer-in-charge of
maintaining cost records of the company

Notes :

1. Separate proforma shall be prepared in respect of each process material/intermediate/final product under reference produced and sold.
2. Separate proforma shall be prepared for quantity sold within the country and the quantity exported. Expenses incurred on export and the incentive earned thereon shall be indicated in the proforma applicable for the quantity produced and exported.
3. Separate proforma shall be prepared for any related party/inter-unit transfer of intermediate/finished product(s) under reference. Separate proforma shall also be prepared for production on self manufactured, third party on Job work and loan license basis, as may be applicable, of intermediate/finished product(s) under reference.
4. The administrative overheads shall be included in the cost of production only to the extent they contribute in putting the goods produced to their present location and condition. The balance of administrative overheads, if any, shall be included in the cost of goods sold.
5. The proforma may be suitably modified to cover the specific features in such a way that serial numbers are maintained as per proforma with addition of

268061/04-7

items numbering them by prefixing/ suffixing alpha characters to the serial numbers.

6. Delete items not applicable.

Proforma 'D'

Name of the company :

Statement showing the **allocation or apportionment** of total expenses and income of the company between the products referred to under rule 2 and other products or activities for the period/year :

Serial Number	Particulars	Total expenses as per audited financial accounts	Share applicable to products covered under rule 2 (Product 1, Product 2, etc.)	Share applicable to other products or activities	Basis of allocation
1.	Raw material				
2.	Process materials/chemicals				
3.	Direct wages and salaries				
4.	Utilities				
5.	Consumable stores and spares				
6.	Depreciation				
7.	Lease rent				
8.	Repairs and maintenance				
9.	Other works overheads				
10.	Total works overheads (4 to 9)				
11.	Royalty, if any				
12.	Technical assistance know-how fee				
13.	Research and development				
14.	Quality control				
15.	Administrative overhead (relating to production) : (a) salaries and wages (b) others (specify) (c) sub total (a+b)				
16.	Total (1+2+3+10 to 15)				
17.	Stock adjustment (Work-in-progress)				
18.	Less: Credits (from wastages and by-products)/				

	Recoveries, if any				
19.	Cost of production (16 to 18)				
20.	Stock adjustment (finished products)				
21.	Net cost of production of unpacked finished goods (19+20)				
22.	Less: captive consumption				
23.	Net cost of materials available for sales (21-22)				
24.	Packing expense				
25.	Other expenses : (a) Administrative overheads (others) (b) Others (specify)				
26.	Selling and distribution expenses : (a) Salaries and wages (b) Freight and transport charges (c) Commission to selling agents (d) Advertisement expenses (e) Royalty on sales, if any (f) Others (g) Total (a to f)				
27.	Interest and other borrowing costs				
28.	Total cost of sales excluding excise duty (23 to 27)				
29.	Total sales realization excluding excise duty				
30.	Margin (29-28)				
31.	Add: Export benefits and incentives, if any				
32.	Total Margin (30+31)				
33.	Any other expense not included in cost				
34.	Any other income not considered in cost				
35.	Margin as per Financial Accounts				

Signature

Name and designation of the officer-in-charge of
maintaining cost records of the company

Notes.-

1. Product 1, Product 2, etc. indicated above are illustrative only.
2. All items of income and expenditure in this proforma shall be reconciled with the financial accounts for the relevant period.
3. The administrative overheads shall be included in the cost of production only to the extent they contribute in putting the goods produced to their present location and condition. The balance of administrative overheads, if any, shall be included in the cost of goods sold.
4. The proforma may be suitably modified to cover the specific features in such a way that serial numbers are maintained as per proforma with addition of items numbering them by prefixing/ suffixing alpha characters to the serial numbers.
5. Delete items not applicable.

[F. No. 52/15/CAB-2002]

A. K. KAPOOR, Adviser (Cost)

Note:— 1. Cost Accounting Records (Caustic Soda) Rules, 1967, were published vide G.S.R. 1261, dated the 11th August, 1967 and subsequently amended vide -

- (i) GSR 85 dated 4th January, 1968;
- (ii) GSR 773, dated 3rd June, 1977;
- (iii) GSR 17, dated 5th January, 1983;
- (iv) GSR 540, dated 22nd July, 1989;
- (v) GSR 300(E), dated 24th March, 1993;
- (vi) GSR 327(E), dated 3rd June, 1998;
- (vii) GSR 427(E), dated 3rd August, 1998;
- (viii) GSR 711(E), dated 28th September, 2001.

2. Cost Accounting Records (Soda Ash) Rules, 1976, were published vide S.O. 1720, dated the 29th May, 1976 and subsequently amended vide -

- (i) GSR 790, dated 3rd June, 1977;
- (ii) GSR 36, dated 5th January, 1983;
- (iii) GSR 559, dated 22nd July, 1989;
- (iv) GSR 319(E), dated 24th March, 1993;
- (v) GSR 443(E), dated 3rd August, 1998;
- (vi) GSR 725(E), dated 28th September, 2001.

3. Cost Accounting Records (Sulphuric Acid) Rules, 1980 were published vide G.S.R. 395(E), dated the 4th July, 1980 and subsequently amended vide -

- (i) GSR 41, dated 5th January, 1983;
- (ii) GSR 564, dated 22nd July, 1989;

- (iii) GSR 324(E), dated 24th March, 1993;
- (iv) GSR 448(E), dated 3rd August, 1998;
- (v) GSR 730(E), dated 28th September, 2001.

4. Cost Accounting Records (Chemical Industries) Rules, 1987, were published vide G.S.R. 596, dated the 8th August, 1987 and subsequently amended vide -

- (i) GSR 732, dated 4th August, 1988;
- (ii) GSR 570, dated 22nd July, 1989;
- (iii) GSR 34(E), dated 3rd January, 1992;
- (iv) GSR 330(E), dated 24th March, 1993;
- (vi) GSR 454(E), dated 3rd August, 1998;
- (vii) GSR 278(E), dated 24th April, 2001;
- (viii) GSR 735(E), dated 28th September, 2001.